CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 1 जयपुर, सोमवार 20 जनवरी, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

महाकुंभ में सिलेंडर फटने से लगी भीषण आग, 18 टेंट जलकर खाक

जयपुर टाइम्स

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में भीषण आग लग गई। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लगी जिसमें 18 टेंट आग में जल गए।

आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां मौके पर भेजी गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी से बात की है और घटना को लेकर जानकारी ली।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर-19 में पांटून पुल 12 स्थित अखिल भारतीय धर्म संघ श्रीकरपात्री धाम वाराणसी के शिविर में आग लगी थी। इसके बाद अन्य शिविर भी आग की चपेट में आ गए, और उनमें रखे एलपीजी सिलेंडर भी धमाके के साथ फटने लगे थे। रुक-रुककर सिलेंडर फट रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, इस हादसे में 19 में सिलेंडर फटे और करीब 18 टेंट जल गए। इसके बाद एहतियातन केंद्रीय अस्पताल महाकुंभ में 10 चिकित्सकों को इमरजेंसी में बुलाया गया। एसआरएन अस्पताल को भी अलर्ट मोड पर किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने आग लगने की घटना का संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। आग लगने के दो मिनट बाद फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं।

दस मिनट मशक्कत के बाद भी आग नहीं बुझ सकी, इसके बाद अन्य टीमों ने भी आग बुझाने के लिए मोर्चा संभाला। आग बढ़ते-बढ़ते करीब 100 वर्ग मीटर से ज्यादा फैल गई। आग की लपटें 30 फीट ऊंचाई तक उठ रही थीं। अफरा-तफरी के बीच अफसर भी मौके पर भागते नजर आए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी महाकुंभ क्षेत्र में ही हैं।

50 से अधिक टेंट आग की चपेट में

महाकुंभ में लगी भीषण आग में 50 से ज्यादा टेंट आग की चपेट में आए। आग मुख्य रोड पर लोहे के ब्रिज के पास लगी थी। हवा की गति सामान्य से तीन गुना तेज होने के चलते अन्य टेंट भी आग की चपेट में आ गए। दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां आग बुझाने में लगी रहीं।

मन की बात: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुना पीएम का उद्बोधन

समता-समरसता का असाधारण संगम है महाकुंभ: नरेन्द्र मोदी

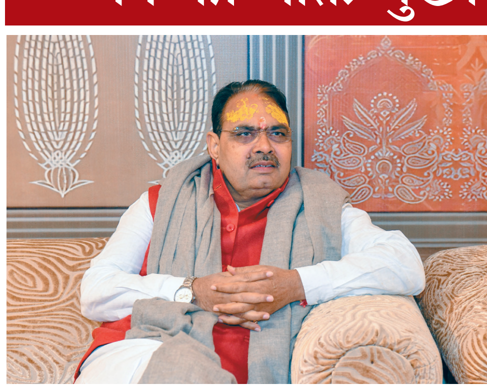

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 118वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। नववर्ष 2025 का यह पहला 'मन की बात' कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी प्रयागराज महाकुंभ स्थित राजस्थान मण्डप में प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

विविधता में एकता का महाकुंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ा चिरस्मरणीय जन-सैलाब, अकल्पनीय दृश्य और समता-समरसता का असाधारण संगम विविधता में एकता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। यह 'कुंभ' एकता का महाकुंभ है। मोदी ने कहा कि कुंभ का आयोजन बताता है कि कैसे हमारी परम्पराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है, वैसे ही, दक्षिण भू-भाग में, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में 'गंगा सागर' मेले का भी विहंगम आयोजन हुआ और संक्रांति के पावन अवसर पर इस मेले में पूरी दुनिया से आए लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' - हमारे सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं।

11 जनवरी को हुई सांस्कृतिक चेतना की पुनः प्रतिष्ठा

मोदी ने कहा कि इस महीने हमने 'पौष शुक्ल द्वादशी' के दिन रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर्व की पहली वर्षगांठ मनाई है। इस साल 'पौष शुक्ल द्वादशी' 11 जनवरी को पड़ी और इस दिन लाखों राम भक्तों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः प्रतिष्ठा की द्वादशी है। मोदी ने आमजन से आह्वान किया कि वे विकास के रास्ते पर चलते हुए विरासत को सहेजे और उनसे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़े।

संविधान निर्माताओं के विचार हमारी धरोहर

मोदी ने कहा कि इस बार के गणतंत्र दिवस पर संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सभा सदस्यों के विचार हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषणों के अंश साझा करते हुए देशवासियों से इन महापुरूषों के विचारों से प्रेरणा लेते हुए ऐसे भारत के निर्माण करने के आह्वान किया जिस पर इन संविधान निर्माताओं को भी गर्व हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 की शुरुआत में ही भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बेंगलुरू के स्पेस-टेक स्टार्ट-अप पिक्सेल' ने भारत का पहला निजी सैटेलाइट कॉन्स्टलेशन–फायर-फ्लाई, सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष में पौधे उगाने और उन्हें जीवित रखने के प्रयास भी कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास का एक्सटेम केंद्र अंतरिक्ष में मैन्यूफैक्चरिंग के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में असम के नौगांव में किसानों की ओर से हाथियों की भूख मिटाने के अभिनव प्रयास व दो नए टाईगर रिजर्वों गुरू घासीदास-तमोर पिंगला (छत्तीसगढ़), रातापानी (मध्यप्रदेश) का जिक्र भी किया। साथ ही, मोदी ने स्वामी विवेकानंद जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों का स्मरण भी किया।

कुम्भ देश की प्राचीन परम्परा का प्रतीक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई है। महाकुम्भ हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। ऐसी पुरातन व वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है जहां करोड़ों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ संगम में डुबकी लगाते हैं। प्रत्येक भारतवासी को ऐसी गौरवशाली परम्परा पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन हम सब देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायी होने के साथ ही, उत्सावर्धक होता है। उनके उद्बोधन के माध्यम से हमें हमारे देश की उपलब्धियों के बारे में जानकारी मिलती है और गर्व महसूस होता है।

भजनलाल ने प्रयागराज में लगाई आस्था की डुबकी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर स्नान किया। उन्होंने सपरिवार मां गंगा की पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। शर्मा ने बोट से त्रिवेणी संगम का अवलोकन किया और बड़े संगम तट पर स्थित लेटे हनुमान जी के दर्शन भी किए। उन्होंने राजस्थान मण्डप में संत - महात्माओं का अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और परम्परा समृद्ध है। ऐसी पुरातन व वैभवशाली परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। हमारी संस्कृति सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः के भाव के साथ हम सब को सुख-शान्ति से रहने का संदेश देती है। उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का बदलता स्वरूप हम सबने देखा है। देश-दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है और हमारी समृद्ध संस्कृति का परचम पूरी दुनिया में लहराया है।

भारतीय महिला टीम ने जीता खो खो विश्व कप

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली।(एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने नेपाल को फाइनल मुकाबले में हराकर पहला खो-खो विश्व कप खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में प्रियंका इंगले की अगुआई वाली टीम ने नेपाल को 78-40 से मुकाबला जीत लिया। इस मैच में मेजबान टीम ने विपक्षियों पर पूरे समय दबाव बनाए रखा।

राजस्थान में किसान आंदोलन की आहट, 29 से गांव बंद आंदोलन का होगा आगाज!

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कांस)। प्रदेश के करीब 40 हजार से अधिक गांव के किसान गांव बंद आंदोलन की तैयारी में जुटे हुए हैं। इसके लिए किसान नेता गांव-गांव जाकर आंदोलन के लिए किसानों को एकजुट कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, अब तक 26 जिलों के किसानों का समर्थन भी मिल चुका है। वहीं, अन्य जिलों के किसानों से गांव बंद आंदोलन के लिए संपर्क किया जा रहा है। 29 जनवरी को होने वाले गांव बंद आंदोलन की तैयारी को लेकर रविवार को अलवर के हरसोली में किसान महापंचायत आयोजित की गई।

किसान नेता रामपाल जाट ने कहा कि पंजाब समेत कई राज्यों में किसान विभिन्न मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब किसानों ने गांव बंद आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए किसान गांव-गांव घूम रहे हैं और गांव बंद आंदोलन के लिए किसानों से समर्थन की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस आंदोलन के लिए राजस्थान में 26 जिलों के किसानों का समर्थन मिल चुका है। यह आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहेगा। गांव बंद आंदोलन के दौरान के किसान अपने उत्पाद को बेचने के लिए गांव से बाहर नहीं जाएगा। यदि गांव में आकर कोई व्यापारी उत्पाद खरीदना चाहे तो उस पर रोक नहीं रहेगी।

45537 गांव में लागू होगा गांव बंद आंदोलन

रामपाल जाट के अनुसार, किसानों के प्रदर्शन की शुरुआत 2010 में दूदू से हुई। यह आंदोलन पूरे देश में चल रहा है। पंजाब व हरियाणा में किसान धरने पर बैठे हैं। यह आंदोलन किसानों की पीड़ा में से शुरू हुआ। हरसोली में 21 गांव की किसान महापंचायत हुई. इसी को लेकर गांव बंद की रणनीति बनाई जाएगी। इस सभा में सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

किसान महापंचायत में फैसला हुआ कि राजस्थान में 29 जनवरी को गांव बंद आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान गांव का कोई भी व्यक्ति बाहर नहीं जाएगा। न ही वह रेलगाड़ी, बस या किसी वाहन का इस्तेमाल करेगा। हालांकि, आपातकालीन स्थिति में गांव बंद लागू नहीं होगा। मतलब आपातकालीन स्थिति में गांव के लोग आ जा सकेंगे। यह आंदोलन 45537 गांव में प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

झुन्झुनू में सड़क हादसा: दो बोलेरो भिड़ी, 3 की मौत, 4 घायल

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(कासं)। झुंझुनूं में रविवार को अलसीसर इलाके के रामपुरा गांव में राजगढ़-झुंझुनूं रोड पर शाम को हुए दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी समेत तीन जनों की मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए। इनमें से एक गंभीर घायल को जयपुर रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीन मृतकों के शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

आमने-सामने टकराई बोलेरो

जानकारी के अनुसार, भूतिया का बास निवासी बोलेरो चालक रणवीर को कोदेसर ग्राम पंचायत के बीदासर निवासी जमनाधर अपने साथ किसी काम से अलीपुर किराए पर करके ले गए थे। गाड़ी में चालक रणवीर व जमनाधर के अलावा जमनाधर की पत्नी रतनी व भाभी संतोष देवी थी। अलीपुर से वापस गांव लौटते समय रामपुरा के पास झुंझुनूं- राजगढ़ रोड पर सामने से आ रही दूसरी बोलेरो के साथ उनकी गाड़ी की जोरदार भिड़ंत हो गई।

गंभीर घायल जयपुर रेफर

संतोष के अलावा दूसरी बोलेरो गाड़ी में सवार राजगढ़ निवासी अमित पुत्र रामनिवास जांगिड़, विक्की पुत्र रघुवीर सिंह जांगिड़ बैरू बड़ी हमीरवास और तन्यम पुत्र भूषण शर्मा राजगढ़ निवासी घायल हो गए। सभी घायलों को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल लाया गया। जहां पर जमनाधर, रत्नी व रणवीर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर हालत होने पर संतोष देवी को जयपुर रेफर कर दिया गया।

अस्पताल को किया गया अलर्ट मोड़ पर

इसके अलावा अमित, विक्की और तन्मय का बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीडीके अस्पताल में भर्ती सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही पीएमओ डॉ. राजवीर राव ने पूरे अस्पताल को अलर्ट मोड पर कर दिया और घायलों के पहुंचते ही इलाज चालू कर दिया गया। फिलहाल तीनों मृतकों के शवों को मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं मृतकों व घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

CMYK

मेवात जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
20 जनवरी, 2025

चिकित्सा कार्मिकों द्वारा निकाला जाएगा कैंडल मार्च आज

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। शिशु चिकित्सालय प्रकरण में आरोपी महिला को गिरफ्तार कराने एवं उचित कानूनी कार्यवाही करवाने की मांग को लेकर समस्त चिकित्सा कार्मिकों के द्वारा 20 जनवरी सोमवार को कैंडल मार्च निकाला जाएगा। यह कैंडल मार्च निकाला जाएगा शाम 5 बजे सामान्य चिकित्सालय अलवर से शहीद स्मारक तक शांतिपूर्वक निकाला जाएगा। संघर्ष समिति राजकीय सामान चिकित्सालय अलवर के संयोजक हेमपाल सिंह जादौन व निर्देश शर्मा ने बताया कि कैंडल मार्च में सभी कार्मिक अधिक से अधिक संख्या में भाग लेंगे तथा पीड़ित महिला नर्सिंग स्टाफ को न्याय मिल सके।

बाबा रमताई नाथ जी की बगीची (जेल चौराहे पर) में होगी श्रीराम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा

गणेश पूजन के साथ शुरु हुआ समारोह का आयोजन आज शुरु होंगे श्रीरामचरित मानस के पाठ

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। श्री श्री 1008 श्री प्रचण्ड महादेव जी की अनुकंपा से जेल चौराहा स्थित बाबा रमताई नाथ जी की बगीची में 18 जनवरी से श्रीराम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन शनिवार प्रातः श्री गणेश पूजन के साथ शुरु हुआ। पुजारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि श्रीराम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ शनिवार को श्री गणेश पूजन के साथ हुआ। वही सोमवार को श्रीरामचरित मानस के पाठ शुरु होंगे, जो अनवरत होंगे। इसके साथ ही 22 जनवरी बुधवार प्रातः सवा 8 बजे मंगल कलश एवं शोभा यात्रा निकाली जाएगी। वहीं 22 जनवरी को ही प्रातः सवा 10 बजे श्रीरामचरित मानस के पाठ का विश्राम होगा। इसके बाद 22 जनवरी को सवा 11 बजे श्रीराम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके बाद हवन, भोग, महाआरती के साथ प्रसादी का आयोजन होगा। जहां शाम सवा 6 बजे 1100 दीपकों से भगवान की महाआरती की जाएगी। इसके बाद सवा 7 बजे केसरयुक्त दूध का वितरण किया जाएगा। पुजारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि कलश यात्रा में महिलाओं को पीत गणवेश (चून्दड़ी साड़ी) में स्वयं के कलश के साथ मंदिर प्रांगण में समय पूर्व आना होगा, जिससे इस दिव्य व पुनीत अवसर पर प्रभु-पात्र बन सकें।

अपना घर शालीमार आवासीय सोसायटी के अन्दर अमृत कलश फ्लैट में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत से पाया काबू

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। शहर में अपना घर शालीमार आवासीय सोसायटी के अंदर बने सबसे महंगे लैट अमृत कलश में रविवार दोपहर को भीषण आग लग गई। आग से एडवोकेट आनंद गुप्ता के लैट में लाखों का नुकसान हो गया। लैट के अंदर पालतू डॉग की मौत हो गई। बताया गया है कि आग के दौरान घर में कोई नहीं था। आनंद गुप्ता पत्नी के साथ शॉपिंग करने बाजार गए हुए थे। वे 6 महीने पहले ही शांतिकुंज से यहां शिफ्ट हुए थे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया गया है कि इस नई सोसायटी मे फायर एनओसी नहीं थी, जहां यह आग लगी।

आग की लपटें कई मंजिल ऊपर तक पहुंची: अमृत क्लश सोसायटी अपना घर शालीमार के गेट नंबर तीन पर बनी हुई है, जो 9 मंजिला है। शहर में सबसे महंगे लैट यहीं हैं, जिनकी कीमत सबसे अधिक है। चौथी मंजिल पर आनंद गुप्ता के फ्लैट में दोपहर करीब सवा दो बजे के आसपास आग लगी। आग लगने के कारण अभी शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। लैट में लकड़ी का अधिक काम किया हुआ था। इसके चलते आगे ने तेजी पकड़ ली। आग की लपटें फ्लैट के बाहर तक दिखाई दी ओर धुआं तो ऊपर की लास्ट मंजिल तक देखा गया। समय रहते सूचना मिलने पर दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्त के बाद आग पर काबू पाया।

मंत्री शर्मा ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को बालाजी इंजीनियरिंग जयपुर व डीएफसी प्रोजेक्ट के संयुक्त तत्वावधान में ब्राह्मण छात्रावास परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड मां के नाम अभियान' व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा चलाए जा रहे 'हरियालो राजस्थान अभियान' के तहत प्रदेश में 7 करोड से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित करने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य को बनाए रखने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को धरती मां के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हुए एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने बालाजी इंजीनियरिंग जयपुर के लालचंद द्वारा छात्रावास में एक कमरा निर्माण कराने की घोषणा को सहानीय कदम बनाते हुए उनको साधुवाद दिया। उन्होंने सहायक महाप्रबंधक रेल इंजीनियरिंग अनुराग शर्मा से कहा कि अलवर के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु रोजगार मेला आयोजित कराए। इससे पहले मंत्री शर्मा ने श्रीश्याम हनुमान सेवा समिति द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के कार्यक्रम में शिरकत कर रक्तवीरों की हौंसला अफजाई की। इस दौरान विष्णु सोमवंशी सहित बडी सं या में प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

मेघवाल समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है - जूली

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने का आव्हान करते हुए मेघवाल समाज की ओर से रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित मेघवाल समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के लोगों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत नॉलेज ऑफ सिंबल डॉ. आंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। समारोह में देश व प्रदेश से पहुंचे समाज के गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए जूली बोले हम सभी मिलकर समाज के जरूरतमंद तबके की मदद करने का बीड़ा उठाएंगे तभी बाबा साहब के सपने को साकार कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशा निर्देश देने के साथ-साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज व राष्ट्र का भविष्य बच्चों के मजबूत कंधों पर टिका है, इस प्रतिभा सम्मान समारोह का उद्देश्य बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है।

टीकाराम जूली का नेता प्रतिपक्ष बनने पर समाज के गणमान्य लोगों की ओर से साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर जूली बोले बाबा साहब के आशीर्वाद से पहली बार दलित समाज के व्यक्ति को नेता प्रतिपक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और बुजुर्गों के आशीर्वाद से उन्हें राजस्थान प्रदेश में विपक्ष के रूप में मुखिया के तौर पर चुना गया है। उन्होंने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं जनहित के मुद्दों पर हमेशा जनता की आवाज बुलंद करने का काम करूंगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र कुमार, समाज के जिला अध्यक्ष डॉ. बी आर शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष निहाल सिंह सहित समाज के गणमान्य लोग व प्रतिभावान विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का किया उद्घाटन व शिलान्यास – नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव केसरपुर और बल्लांना में रविवार को विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जूली ने बताया कि ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि कोष से निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। वहीं अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के मालाखेड़ा और उमरैण ब्लॉक के प्रत्येक गांव को चारों तरफ हाईवे से जोडने का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा शहर जैसी मूलभूत सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता में शामिल है। जूली ने शेर खान के घर से रमजान की दुकान की ओर तथा हंसमुख के घर से मजीद के घर की ओर ग्रेवल सडक निर्माण कार्य, कब्रिस्तान व शमशान घाट की चारदीवारी निर्माण कार्य का उद्घाटन कर ग्रामीणों को सौगात दी। इस अवसर पर उप प्रधान महेश सैनी, सरपंच नुसरत उमरद्दीन खान, संजीव बारेठ, अलाउद्दीन खान, राहुल पटेल, निहाल सिंह, नवाब खान, अयूब खान, रहमत खान, रामकुंवार, इलियास खान, बनवारी, नितिन धाकड़, नरेश फागना, सैकुल सिंहल, परमीत छिल्लर, सदाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पंचायतराज जनप्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का जताया आभार

जयपुर टाइम्स

बहरोड़(निसं)। भूपेंद्र यादव केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का पंचायत समिति बहरोड एवं नीमराणा के पंचायतराज के जनप्रतिनिधियों द्वारा सरपंचों का प्रशासक के रूप में कार्यकाल बढ़ाने पर बहरोड पंचायत समिति प्रांगण में सैकड़ो पंचायतराज के जनप्रतिनिधियों द्वारा 51 किलो फूलों की बड़ी माला पहना कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर पंचायत समिति बहरोड के प्रधान प्रतिनिधि बस्तीराम यादव के नेतृत्व में एवं नीमराना पंचायत समिति के प्रधान प्रतिनिधि बलवान सिंह यादव पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा उत्तर तथा नगर परिषद के सभापति सीताराम यादव जिला पार्षद महेंद्र यादव, सुनील यादव जयप्रकाश जाबर रामनरेश यादव सरपंच वेद कृष्णा, पंचायत समिति सदस्य अमर सिंह यादव सुनील यादव रमेश यादव सरपंच उमाशंकर यादव अजीत यादव नवरत्न यादव सुरेश चंद्र भेड़ी, ओम प्रकाश यादव जसवंत सिंह यादव नागेंद्र यादव मनोज जांगिड़, कृष्ण मीणा, कवर सिंह यादव अपना सरपंच सुनील उटोली जोगेंद्र यादव उदय सिंह यादव अर्जुन सरपंच भूप सिंह सरपंच लीलाराम कायसा इत्यादि सैकड़ो प्रतिनिधि स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित थे पंचायत समिति बहरोड के परिसर को जिला कलेक्टर द्वारा डैमेज्ड डिस्मेंटल घोषित किया जा चुका है। इसलिए नए भवन परिसर के लिए बजट आवंटित करवाने का मांग पत्र भूपेंद्र यादव को पंचायतराज प्रतिनिधियों द्वारा सोपा गया जिस पर मंत्री ने आगामी बजट में पंचायत समिति परिसर के लिए बजट आवंटित करवाने की की बात कही।

त्रिपोलश्वर शिव शक्ति सेवा समिति की बैठक में अनेक धार्मिक कार्यों को लेकर हुई चर्चा ओर किए निर्णय

माघ एकादशी के उपलक्ष्य में 24 जनवरी को निकलेगी मंगल कलश यात्रा

जयपुर टाइम्स

अलवर। त्रिपोलश्वर शिव शक्ति सेवा समिति की कार्यवाहक बैठक रविवार को समिति कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें अनेक कार्यक्रमों पर चर्चा कर निर्णय किया गया।

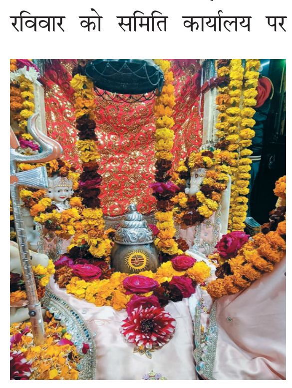

समिति अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2025 में समिति के उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए प्रथम कार्यक्रम 25 जनवरी को माघ मास की एकादशी के उपलक्ष मे 24 जनवरी को शाम सवा 5 बजे बोडी वाला तल्ला से कलश यात्रा प्रारंभ होकर राजकीय आत्मनिर्बर श्रेणी मंदिर श्रीमथुराधीश जी पहुंचेगी, जहां दूसरे दिन भगवान का प्रातः दूध अभिषेक हवन व महिला भक्तों द्वारा दोपहर 1 से 4 बजे तक सत्संग कार्यक्रम होगा। इसके बाद शाम सवा 4 बजे भगवान को छप्पन भोग लगाकर महाआरती की जाएगी। इस मौके पर भक्तों में प्रसाद वितरण किया जाएगा। अध्यक्ष ने बताया कि 26 जनवरी को राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी मंदिर श्रीमथुराधीश में ध्वजारोहण का कार्यक्रम प्रातः सवा 11 बजे किया जाएगा। वहीं आगामी कार्यक्रम 9 दिवसीय भगवान पशुपतिनाथ एवं शिव कथा का भव्य आयोजन महाशिव रात्रि पर्व 2025 अलवर में तृतीय बार 20 फरवरी को भव्य शोभा यात्रा के साथ राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी मंदिर श्रीमथुराधीश जी से प्रारंभ होकर अभय समाज पहुंचेगी जहां पांच दिवसीय कथा का आयोजन होगा।

सहकार भारती का स्थापना दिवस व जिला अधिवेशन हुआ आयोजित

सहकारिता आमजन के जीवन को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण कडी - मंत्री शर्मा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में अशोक सर्किल स्थित विवेकानन्द स्मारक पर सहकार भारती अलवर की इकाई द्वारा सहकार भारती का 46वाँ स्थापना दिवस व जिला अधिवेशन आयोजित किया गया।मंत्री शर्मा ने उपस्थित लोगों को सहकार भारती की स्थापना के 46 वर्ष होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सहकार ऐसा विषय है जो आमजन के जीवन को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि उन्नत तकनीक अपनाकर सहकारी संस्थाओं को आर्थिक सक्षम बनाना सहकारिता का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि देश के गरीब, किसान व वंचित वर्ग के उत्थान व उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उद्देश्य से ही सहकारिता की स्थापना की गई थी, आज सहकारिता का नेटवर्क बढा है तथा अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर इसको विस्तार देना वर्तमान समय की मांग है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के महत्व को समझकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार सहकारिता मंत्रालय का गठन किया है जिसके माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार सहकारिता के माध्यम से किसानों को रियायती दरों

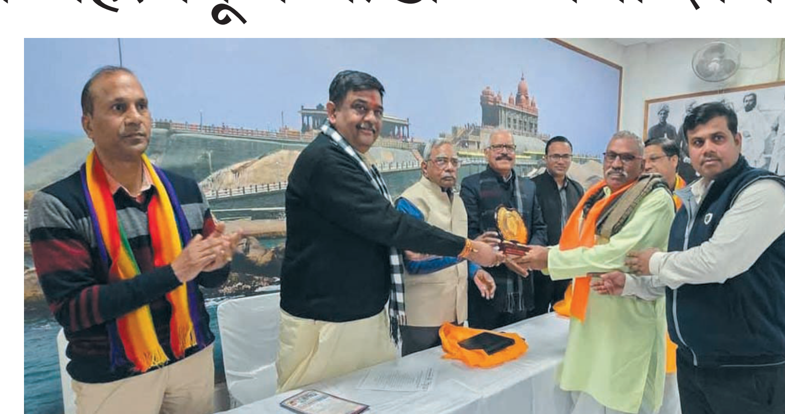

पर ऋण व अन्य सहकारिता गतिविधियों से सुविधा प्रदान कर आर्थिक संबल प्रदान करने का काम कर रही है।

उत्कृष्ट कार्य करने पर इन्हें किया गया सम्मानित

मंत्री शर्मा ने सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर पंचायत समिति कोटकासिम की उजौली ग्राम सेवा सहकारी समिति लि. के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, पंचायत समिति किशनगढबास की खैरथल ग्राम सहकारी सेवा समिति लि. के अध्यक्ष सुमित रोधा, पंचायत समिति रामगढ की बहाला ग्राम सेवा सहकारी समिति लि., झालाटाला दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति के अध्यक्ष रामसिंह मीणा, बाम्बोली दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति के अध्यक्ष राजाराम चौधरी तथा फतेहपुर दुग्ध उत्पादन सहकारी समिति के अध्यक्ष रामकृपाल को स्मृति चिन्ह व दुपट्टा ओढाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर के के गुप्ता, सहकार भारती के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार धानवी, सहकार भारती के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंहल, पं. धर्मवीर शर्मा, इंद्रजीत सिंह, श्रीकृष्ण गुप्ता, पं. जले सिंह, जितेन्द्र राठौड, रोहिताश घांघल, सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं आमजन मौजूद रहे।

शिक्षा व खेल के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार प्रतिबद्ध - केंद्रीय मंत्री यादव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने रविवार को अलवर सांसद खेल उत्सव के द्वितीय चरण के तहत आयोजित हो रही खेल प्रतियोगिताओं में राजगढ़ के प्रताप स्टेडियम व मुण्डावर की चिरूणी पहुंचकर खिलाडियों की हौंसला अफजाई की।केंद्रीय मंत्री यादव ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर सांसद खेल उत्सव के द्वारा जिले के युवाओं को फीट रहने के साथ-साथ आगे बढने का प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के युवाओं को खेल व शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए निरन्तर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल उत्सव के प्रथम चरण में क्रिकेट प्रतियोगिता में जिले के युवाओं के साथ-साथ हर आयुवर्ग के व्यक्तियों ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से बढचढकर इसमें भाग लिया और अब द्वितीय चरण में 17 हजार से अधिक युवा विभिन्न खेलों में भाग ले रहे

हैं। उन्होंने कहा कि अलवर जिले में खेल व पर्यटन की अपार संभावना है। इसको दृष्टिगत रखते हुए जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल बाघ परियोजना सरिस्का के नाम पर अलवर टाईगर मैराथन' 9 फरवरी को आयोजित कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि 7 और 8 फरवरी को भी अनेक खेल गतिविधियां आयोजित कराई जाएगी जिसमें दिव्यांग युवाओं की पैरा दौड भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर की मैराथन में राष्ट्रीय स्तर के 100 धावक भाग लेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अगले साल अलवर टाईगर मैराथन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की मैराथन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के लिए सरकारी स्कूलों में ई-लाइब्रेरी बनाई जा रही है। अब तक सांसद कोष से 54 ई-लाइब्रेरी बनाई जा चुकी है तथा 75 ई-लाइब्रेरी बनाने का कार्य चल रहा है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने बहरोड़ में उपवन सोसायटी में खेल परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, मोहित यादव, बन्नाराम मीणा, इन्द्रजीत सिंह पाटा, इन्द्र यादव, डॉ अंजलि यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं आमजन मौजूद रहे।

राजधानी जयपुर टाइम्स

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर में की जनसुनवाई

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निस.)। राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सवाई माधोपुर के कृषि भवन में जनसुनवाई की। भाजपा पदाधिकारियों व नगर परिषद सभापति मेघा वर्मा ने उनका जोरदार स्वागत किया। जनसुनवाई में बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा समेत कई समस्याएं मंत्री के समक्ष रखी गई। इसके बाद मंत्री मीणा ने सवाई माधोपुर के 262वें स्थापना दिवस समारोह के रंगीलो राजस्थान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस.)। निकटवर्ती ग्राम सांगटेड़ा में रविवार को समाजसेवी रतन लाल शर्मा के नेतृत्व में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म मेवाड़ की धरती पर उस समय हुआ जब पूरे राष्ट्र में विदेशी मुगल आक्रांता के द्वारा अत्याचार चरम सीमा पर था। मेवाड़ की धरती को मुगलों

के आतंक से बचाने के लिये वीर, राष्ट्र गौरव, पराक्रमी, साहसी, राष्ट्र भक्त महाराणा प्रताप ने जन्म लिया। उन्होंने कहा कि हमारा देश हमेशा वीरों की भूमि रहा है। कई वीरों ने भारत में जन्म लिया और अपना नाम इतिहास में हमेशा हमेशा के लिये अमर कर गये, उनमें से प्रमुख वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एक है। जब उनकी मृत्यु हुई तो मुगल बादशाह अकबर लाहौर नृत्य शाला में नृत्य देख रहे थे। उनको पता चला की मेवाड़ की धरा के शिरोमणि महाराणा प्रताप की मृत्यु हो गई तो उनकी आंखों में पानी आ गया और कहां की एक वीर योद्धा आज मेवाड़ की धरा से चला गया, उनके किस्से पूरी दुनिया में आज भी है। इस दौरान बाबूलाल चौधरी, प्रताप चौधरी, नीरज ठेकेदार, अजीत, जीतू, नेतराम, सुभाष, कौशल, दया देवी, लक्ष्मी समेत अन्य मौजूद रहे।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस.)। कस्बे के वार्ड नं. 02 अम्बे कॉलोनी में रविवार को श्री राधा गोविंद जी, हनुमान जी, नंदीश्वर जी, कीर्ति स्तंभ की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह आचार्य गोकुल चंद के सानिध्य में पूर्ण विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके पर श्रद्धालू विवेक सैनी, कैलाश चंद जांगिड़, सुभाष चंद जांगिड़ द्वारा पूजा अर्चना कर हवन किया गया।

इस दौरान सुंदरलाल सैनी, रामजीलाल सैनी, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कमांडर बाबूलाल, सुभाष शर्मा, मुकेश जांगिड़, नत्थूलाल जांगिड़, रामसिंह सैनी, रमेश सैनी, श्रीराम मिस्त्री, ताराचंद अध्यापक, महेश शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

नजर नही आई जनभागीदारी ,कार्यक्रमों के नाम पर की गई महज खानापूर्ति

शहर के स्थापना दिवस को बनाया मखोल

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर ((निस.))। सवाई माधोपुर शहर 262 साल का हो गया। सवाई माधोपुर शहर की स्थापना जयपुर के तत्कालीन महाराजा सवाई माधोसिंह प्रथम द्वारा 1763 में की गई थी । लेकिन मनाये गये सवाई माधोपुर शहर के स्थापना दिवस को जिला प्रशासन ,पर्यटन विभाग ने मजाक बनाकर रख दिया । कहने को तो शहर के स्थापना दिवस को सवाई माधोपुर उत्सव का नाम दिया गया है ,लेकिन स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम प्रशासन की अनदेखी के चलते मखोल बनकर रह

गए और कार्यक्रमों के नाम पर महज खाना पूर्ति ही कि गई ।शहर के 262 वे स्थापना दिवस के अवसर पर सुबह रणथंभौर दुर्ग स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में विधिवत रूप से पूजा अर्चना की और दो दिवसीय कायक्रमों का विधिवत रूप से शुभारंभ तो किया । लेकिन शहर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की भी यहाँ उपेक्षा की गई ,नगर परिषद परिसर में स्थित शहर के संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा लगी हुई है ,जहाँ प्रशासन द्वारा कार्यक्रम तो आयोजित किया गया।

राज्यपाल बागडे ने विप्र फाउंडेशन के अधिवेशन का उद्घाटन किया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित विप्र फाउंडेशन के विभागीय अधिवेशन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जो समाज महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा और समरसता के लिए कार्य करता है, वही प्रगति करता है। उन्होंने विप्र समाज को भारत की संस्कृति का प्रतीक बताते हुए कहा कि ब्रह्म को जानने वाला ही विप्र है। राज्यपाल ने ब्राह्मणों के गौरवमयी अतीत को स्मरण करते हुए कहा कि समाज में संकट के समय ब्राह्मणों ने हमेशा मार्गदर्शन किया है। उन्होंने भगवान परशुराम की विरासत और विप्र समाज द्वारा महाराष्ट्र, कर्नाटक, बंगाल जैसे राज्यों में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के राजेश बुटोते, सुरेश पारीक और सी.एम. शर्मा ने राज्यपाल का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

गौ सेवा पर जोरः गो-विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गो सेवा गतिविधि के तहत गो-विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान परीक्षा 2024 का आयोजन स्वास्तिक भवन, आदर्श विद्या मंदिर, अंबाबाड़ी में हुआ। जयपुर प्रांत के 21 जिलों के 90,000 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। परीक्षा के विजेताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 143 प्रतिभागियों में से 81 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। सम्मान समारोह में प्रांत गो सेवा प्रमुख अशोक कुमार गुप्ता ने कहा, गौमाता सृष्टि का आधार है। इसका दूध अमृत समान है। उन्होंने भारतीय नस्ल की गायों के संरक्षण पर जोर देते हुए बताया कि इन गायों के दूध में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है। विदेशी नस्ल की गायों के दूध में हानिकारक तत्व होने के वैज्ञानिक प्रमाण हैं। प्रांत सह गो सेवा संयोजक मोहन सिंह ने गाय की उपयोगिता बताते हुए कहा कि भगवान कृष्ण और लोकदेवताओं ने गाय की रक्षा के लिए अपने जीवन

समर्पित किए। उन्होंने गौ संरक्षण के लिए हवन, दीपक व शिव अभिषेक में गाय के उत्पादों के उपयोग की अपील की। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व जागरण, नागरिक शिष्टाचार और सामाजिक समरसता को अपनाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठ अधिकारी और अभिभावक उपस्थित रहे।

श्री छांपाला वाला भैंरू जी का 16 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह 30 जनवरी को

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निस.)। निकटवर्ती ग्राम कल्याणपुरा कुहाड़ा स्थित अरावली की पहाडि़यों में बने श्री छांपाला वाला भैंरू जी मंदिर का 16 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह आगामी 30 जनवरी गुरूवार को बड़े ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। इस मौके पर विशाल व भव्य मेला, भण्डारा व जागरण का आयोजन होगा। मेले में देश भर से लाखों श्रद्धालू पहुँचकर

भैंरू बाबा के दर्शन करते है। मेले की तैयारियों को लेकर कुहाड़ा, पदमा की ढ़ाणी, कल्याणपुरा कलां व पंवाला के समस्त पंच पटेल सहित ग्रामीणों ने बैठक कर 30 जनवरी को आयोजित होने वाले भैरू बाबा के 16 वें वार्षिकोत्सव व मेले की रूपरेखा और तारीख तय की। जयराम जैलदार ने बताया कि 29 जनवरी को विशाल कलश यात्रा व 30 जनवरी को भैंरू बाबा का लक्खी मेले व वार्षिकोत्सव का आयोजन होगा। मेले में राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, दिल्ली से भी श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मेले को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसको लेकर पिछले एक माह से ग्रामीण जन सहयोग से भंडारे की तैयारियों में जुटे हुये है। वहीं भण्डारे के लिये एक सप्ताह से ग्रामीणों द्वारा जेसीबी-थ्रेसर की सहायता से चूरमा बनाया जाता है। भण्डारे में लाखों श्रद्धालू भैंरू बाबा की प्रसादी पायेगें। जिनके लिये करीब 515 क्विंटल (51 हजार 500 किलो) चूरमा तैयार किया जा रहा है। जिसे बनाने के लिये जेसीबी, ट्रैक्टर ट्रॉलियां व थ्रेसर काम में लिये जाते हैं। यह मेला अब प्रदेश में इस खास अंदाज में बनाये जाने वाले चूरमे के कारण ही जाना जाता है। मेले में आसपास के ग्रामीण अपने स्तर पर मैनेजमेंट संभालते हैं। मान्यता है कि यहां भैंरू जी को विशेष प्रसादी में चूरमे का भोग लगाया जाता है। गांव के प्रत्येक घर से एक व्यक्ति रोजाना अपना समय निकालकर यहां अपनी सेवा दे रहा है। एक समय में यहां कम से कम 100 लोगों की टीम हमेशा रहती है। मेले से एक दिन पूर्व 29 जनवरी को चोटिया मोड़ से मंदिर परिसर तक लगभग 03 किलोमीटर की कलश यात्रा निकाली जायेगी। भक्तों पर मेला प्रशासन कमेटी की ओर से हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की जायेगी।

116 सीढिय़ां चढकर पहुंचते हैं मंदिर :- यह मंदिर कोटपूतली-सीकर स्टेट हाईवे पर है। इसके लिए मुख्य सडक़ से 02 किलोमीटर अंदर जाना होता है। इन दो किमी में 03 भव्य दरवाजों से गुजरना पड़ता है। इसके बाद तलहटी से एक पहाड़ पर चढऩा होता है। करीब 116 सीढिय़ां चढकर मंदिर परिसर तक पहुंचा जा सकता है। मंदिर परिसर में प्राचीन भैरव बाबा की मूर्ति स्थापित हैं। इनके साथ ही सवाई भोज, शेड माता व हनुमान जी की मूर्ति स्थापित हैं।

जयपुर में वीर शिरोमणी महाराजा सूरजमल अंतर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह हजार से अधिक प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जयपुर(कास.)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 19 जनवरी को 12वां वीर शिरोमणी महाराजा सूरजमल अंतर्राष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान समारोह में रविवार को एक हजार से अधिक जाट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया और इस अवसर पर जाट महिला राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम के आयोजक वीरेन्द्र चौधरी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की राजस्थान मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष एच आर कुड़ी ने अध्यक्षता की जबकि एजुकेशन हब के निदेशक रामनिवास ढाका मुख्य अतिथि एवं राजेंद्र सिंह चौधरी, शिवभगवान नागा एवं प्रभाती लाल जाट आदि विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद थे। कार्यकर्म का आग़ाज़ द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व जज राजेंद्र चौधरी, भारतीय एजुकेशन हब लक्ष्मणगढ़ रामस्वरूप महला, सनराइज एजुकेशन हब नेछ्वा नंदकिशोर ढाका एवं विकास चौधरी भी मौजूद थे। इस प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रशासनिक सेवा, न्यायिक सेवा, खेलों के क्षेत्र में राष्ट्रीय ,अंतराष्ट्रीय पदक विजेता, सामाजिक सरोकारों,अन्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक हजार से ज्यादा प्रतिभाओं एवं भांकरोटा गैस हादसा के देव दूत शेरा चौधरी का भी विशेष सम्मान किया गया। समारोह में सीआईडी में निरीक्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी वर्षा जाखड़ तथा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुनिता जाखड़ एवं सीकर की सुनीता सहित कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस समारोह में पूरे राजस्थान से जाट समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वीरेन्द्र चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में देश भर से 24 टीमों ने भाग लिया एवं इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र, साफ़ा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस समारोह में पारंपरिक वेशभूषा में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं मौजूद रही। कार्यक्रम में न्यू हवाई जहाज वाटरपार्क के रामप्रताप पिपलौदा का विशेष सहयोग रहा। इसमें संयोजक बंसीलाल ककरालिया तथा अन्य अरविंद भास्कर, चोखा राम बुरड़क, सुनील ढाका ,प्रमोद भूकर, रामनारायण चौधरी, पन्नालाल भामू, सुभाष महला सहित पांच हजार के लगभग संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यकर्म का संचालन संयोजक एवं उद्घोषक सीकर के राजेंद्र बीरड़ा ने किया। उन्होंने बताया कि समारोह में एक हजार से अधिक जाट प्रतिभाओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें जाट समाज से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि स्कूलों में अध्यनरत जाट समाज की बच्चियां जिन्होंने दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत एवं इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं सहित स्कूल निदेशकों को भी सम्मानित किया गया। इसी तरह कॉलेज शिक्षा में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत अंक लाने वाले को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर समाज के अच्छे काम करने वाले लोगों का सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि जाट समाज की महिलाओं को आगे लाने एवं एक मंच देने के लिए इस तरह का प्रयास किया जा रहा है और एक मंच बनाया हैं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं एवं खिलाड़ियों को नौकरी के लिए भी प्रयास किए जायेंगे।

अतिक्रमण की चपेट में शहर का बाजार,आधी सडक़ तक दुकानों का सामान

- बाजार खुलते ही सडक़ो पर सज जाता दुकानों का शोरूम
- बढ़ते अतिक्रमण पर नगर पालिका ने नहीं चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस.)। एक प्रमुख शहर है.जिसकी खूबसूरती रौनक नाकाम बदहाल होती जा रही है। इन दिनों शहर के प्रमुख मार्गो में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए समस्या बन गया है। यह स्थिति अधिकारियों के संज्ञान में भी है। लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने अभी तक कोई रणनीति नहीं बनाई है। अतिक्रमण करने वालों ने राहगीरों के चलने वाली सडक़ पर भी कब्जा कर लिया है। जिससे सडक़ धीमे-धीमे सिकुड़ती जा रही है। शहर के मुख्य मार्गो में अतिक्रमणकारियों का बोल बाला है। उनको बिल्कुल ही प्रशासन का डर नहीं है। शहर के प्रमुख मार्ग पर आए दिन अधिकारी निकलते रहते है,वह भी कई देर तक जाम में फंसे रहते है और भीड़भाड़ अतिक्रमण का तमाशा देखते रहते हैं। लेकिन उसके बाद भी अतिक्रमण करने वालों को डर नहीं है। सडक़ किनारे जगह-जगह बड़े दुकानदारों ने फुटपाथ पर कब्जा जमा लिया है तो किसी ने दुकानो का सजा बाहर निकल दिया है जिससे सडक़ संकरी हो गई है। इससे आए दिन सडक़ों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकान की सीमा से बाहर भी सामान रखते है। जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इससे सडक़ों पर पैदल चलने वाले फुटपाथ पर पैर रखने की जगह नहीं बची होती है। शहर में एक भी सड़क ऐसी नहीं है जहां अतिक्रमण नहीं है,सभी सड़के अतिक्रमण के भेट चढ़ गई है।

यह सड़क अतिक्रमण के भेट चढ़ी

शहर के गांधी मूर्ति से लेकर भेरू चौक मैन बाजार,जवाई बांध रोड, पाली बस स्टैंड से जालौर चौराहा रोड,गांधी मूर्ति से भैरू चौक रोड,आर्य समाज रोड,मंडी रोड,नगर पालिका रोड व अन्य मार्ग अतिक्रमण के शिकार है। दुकानों का शोरूम रोड पर बना लिया है। सडक़ पर दुकान लगाकर बिक्री कर रहे है। आए दिन वाहन चालको से जाम के बाद विवाद होता दिखाई देता है। जिस पर उपखंड प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है न ही नगर पालिका के जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने की तैयारी में है। कुल मिला कर आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हर मार्ग पर सडक़ों पर अतिक्रमण से समस्या बढ़ गई है आमजनो को सडक़ो पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है।

दुकानों का सामान सडक़ो पर,राहगीर परेशान

शहर में जिस जगह पर ग्राहको के वाहन खड़े होने चाहिए वहां दुकानदारो ने बड़े-बड़े दुकान के बोर्ड लगा रखे है। इस वजह से सडक़ पर यातायात प्रभावित है। व्यापारियो की ओर से मनमानी की जा रही है। अव्यवस्था को सुधारने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे है। नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कभी सडक़ पर निकलते ही नहीं है। यहीं वजह है कि समस्या का हल अब तक स्थाई रूप से नहीं निकल पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की हर सड़क पर अतिक्रमण ही अतिक्रमण कर रखा है जिससे सब वाकिफ है उसके बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। नगर पालिका द्वारा कार्रवाई की जाती हैं लेकिन यह कार्रवाई सिर्फ औपचारिकता नजर आती है। वही पालिका ने कई साल से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की है। जिससे दुकानदार का डर समाप्त हो गया है। बड़ी बड़ी दुकानों का सामान सडक़ पर रखा होता है। कपड़े के दुकानदार सडक़ पर सेल लगाते हैं। इलेक्ट्रॉनिक शोरूम संचालक सडक़ पर ही सामान रखते है। इतना ही नहीं बर्तन बेचने वाले बड़े दुकानदार भी फुटपाथ से लकर सडक़ आगे तक बर्तन जमाते हैं। यह स्थिति सड़क के दोनों किनारे नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि फुटपाथ से बाहर मार्ग तक दुकानदार अपना सामान रखते हैं। जिसके कारण स्थिति बादहाल हो गई है।

आपातकालीन सेवा देना ना मुमकिन

सुमेरपुर बाजार में लोगों की हमेशा भीड़ रहती हैं। जहां इन दिनों शहर की स्थिति इस कदर पहुंच गई है कि आपातकालीन सेवाओं के लिए पहुंचना मुश्किल हो गया है। बाजार में कभी बड़ा हादसा होने पर एम्बुलेंस सहित अग्निशमन सेवाओं के लिए ना मुमकिन हो गया है। सुबह से लेकर रात को भी सड़कों की हालत बहुत गंभीर है। हर सड़क पर अतिक्रमण ही अतिक्रमण दिखाई देता है। यही नहीं बाजार में सड़क के दोनों किनारे व्यापारियों द्वारा मनमानी की जारी है और दुकान का पूरा सामान सड़क पर लगाया जाता है जिससे आवाजाही करने वाले आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

संपादकीय .....

कारगर योजना, संपत्ति कार्ड के जरिए ग्रामीणों की मुश्किल हुई आसान

ग्रामीण आबादी को उसकी जमीन के मालिकाना हक का प्रमाणपत्र देने वाली स्वामित्व योजना के तहत प्रधानमंत्री की ओर से 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए जाने से यही रेखांकित हुआ कि यह योजना सही दिशा में बढ़ रही है।

गत दिवस वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से देश के करीब 230 जिलों के 50 हजार गांवों के लोगों को संपत्ति कार्ड वितरित किए गए, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि अब तक इस योजना के तहत तीन लाख से अधिक गांवों में सर्वे पूरा किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 92 प्रतिशत है।

इसके साथ ही 1.53 लाख गांवों के लगभग 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार भी कर लिए गए हैं। ऐसी किसी योजना की आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि ग्रामीण भारत में बड़ी संख्या में जमीन से जुड़े विवाद देखने को मिल रहे थे। उनके चलते झगड़े होना आम बात थी।

कभी-कभी ये झगड़े हिंसा और हत्या का कारण भी बन जाते थे। यह किसी उपलब्धि से कम नहीं कि जिन ग्रामीण इलाकों में संपत्ति कार्ड वितरित हो गए हैं, वहां जमीन से जुड़े विवादों में कमी देखी जा रही है। इस योजना का उद्देश्य केवल ग्रामीणों को उनकी जमीन का स्वामी होने का प्रमाणपत्र देना ही नहीं है। इसका उद्देश्य यह भी है कि ग्रामीण इस प्रमाणपत्र के सहारे लोन ले सकें और जमीन की बिक्री कर सकें।

संपत्ति कार्ड ग्रामीण क्षेत्रों की जमीन का आकलन करने और सरकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने में भी सहायक हो रहे हैं। इस कार्ड के जरिये ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी आसानी हो रही है। ऐसी किसी योजना की आवश्यकता संयुक्त राष्ट्र ने जताई थी।

उसने अपने अध्ययन में यह पाया था कि दुनिया के अनेक देशों में लोगों के पास उनकी संपत्ति और विशेष रूप से घर और जमीन के कानूनी दस्तावेज ही नहीं हैं। ऐसे देशों में भारत की भी गिनती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र का यह भी कहना था कि यदि गरीबी कम करना है तो लोगों को संपत्ति का अधिकार देना आवश्यक है।

इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड़ महामारी के दौरान इस योजना को शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद कई राज्यों में प्रयोग के तौर पर इस योजना की शुरुआत की गई। प्रायोगिक सफलता ने इस योजना को बड़े पैमाने पर शुरू करने का मार्ग प्रशस्त किया।

इस योजना में ड्रोन सर्वे, जीआइएस और अन्य अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, ताकि जमीन के स्वामित्व को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जा सके। जब जमीन का स्वामित्व स्पष्ट हो जाता है तो केवल विवाद की गुंजाइश ही कम नहीं हो जाती, बल्कि जमीनों का बाजार मूल्य भी बढ़ता है। इसके अलावा उन पर अवैध कब्जे की समस्या पर भी लगाम लगती है।

तरक्की के बरक्स पोषण की चुनौती

रपट में कहा गया है भारत में गरीबी और पोषण से संबंधित विभिन्न अध्ययन रपटों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि गरीबी में लगातार कमी आ रही है, लेकिन लोगों के भोजन में पोषक तत्त्वों की कमी चुनौती बनी हुई है। %स्टेट बैंक आफ इंडिया रिसर्च% द्वारा गरीबी पर जारी गरीबों को सीधे लाभान्वित करने वाले सरकारी सहायता कार्यक्रमों के कारण गरीबी में कमी आई है। वहीं विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति (सोफी) रपट 2023 में कहा गया है कि भारत में पोषण की स्थिति चुनौतीपूर्ण है। वर्ष 2020 और 2022 के बीच 7.4 करोड़ लोग अल्पपोषण के शिकार थे। इस रपट का विश्लेषण दर्शाता है कि रोजाना दो बार भोजन की परिभाषा के अनुसार भारत में भूख की समस्या तुलनात्मक रूप से कम हुई है। यानी आबादी के बड़े हिस्से की अनाज संबंधी जरूरतें मोटे तौर पर पूरी पूरी हो रही हैं। मगर पोषक की कमी बनी हुई है। इसी प्रकार वैश्विक भूख सूचकांक 2023 में 125 देशों के बीच भारत को 111वां स्थान दिया गया है।

एसबीआइ रिसर्च की रपट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहां वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 फीसद और शहरी गरीबी 13.7 फीसद थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घट कर 4.86 फीसद और शहरी गरीबी घट कर 4.09 फीसद पर आ गई। इस रपट के मुताबिक पिछले 14 वर्ष में आमदनी बढ़ने से, जहां शहरों में हर माह प्रतिव्यक्ति उपभोक्ता खर्च (एमपीसीई) 3.5 गुना हो गया, वहीं यह ग्रामीण इलाकों करीब चार चार गुना हो गया है। वर्ष 2009-10 2023-24 के बीच शहरी इलाकों में उपभोक्ता खर्च 1984 रुपए से बढ़ कर 6996 रुपए और ग्रामीण इलाकों में यह 1054 रुपए से बढ़ कर 4122 रुपए हो गया। ऐसे में शहरों की तुलना में गांवों में यह खर्च ज्यादा है।

गौरतलब है कि बीती चार जनवरी को प्रधानमंत्री ने ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 को संबोधित करते हुए कहा था देश में ग्रामीण गरीबी तेजी से कमी आ रही है। यह पिछले वर्ष 2024 में घट कर पांच फीसद से भी कम रह गई है। साथ ही ग्रामीणों की आमदनी और क्रयशक्ति बढ़ी है। गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डाक्टर और अस्पताल भी गांवों से जुड़ रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते दस वर्षों में कृषि ऋष्ा साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। बीते दस वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सबसिडी और फसल बीमे की राशि को बढ़ाया गया है। स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए गए हैं, जिनके जरिए गांवों के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, %स्टार्टअप इंडिया% और %स्टैंड अप इंडिया% जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है।

इसमें कोई दो मत नहीं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने उनकी गरीबी को कम करने अहम भूमिका निभाई है। सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत गरीबों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। इसमें कोई दो मत नहीं कि देश में गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित में रूप से निशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की भूमिका प्रभावी बनाई गई है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है।

वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट आफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से रिसाव में कमी आई है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि डिजिटल इंडिया, स्वच्छ पेयजल और आयुष्मान भारत योजना और स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना अभियानों से देश में गरीबी में कमी आ रही है। खासतौर से करीब 54 करोड़ से अधिक जनधन खातों, करीब 138 करोड़ आधार कार्ड और करीब 115 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं की शक्ति से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तीकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इसके बल पर देश गरीब लोगों के खातों में सीधे राहत राशि हस्तांतरित हो रही है। वर्ष 2014 से वर्ष 2024 तक 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी से लाभार्थियों के खातों में सीधे जमा हो चुकी है। इन सबसे गरीबी में बड़ी कमी आई है और ग्रामीण भारत विशेष रूप से लाभान्वित हुआ है।

वैश्विक रपटों में भी भारत में गरीबों के सशक्तीकरण और विकास से गरीबी में कमी आने और उत्पादकता में वृद्धि होने के विश्लेषण प्रस्तुत किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की दुनिया में गरीबी संबंधी रपट में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबों की संख्या वर्ष 1990 में 43.1 करोड़ थी। यह घटते हुए 2021 में 16.74 करोड़ रह गई और वर्ष 2024 में करीब 12.9 करोड़ ही गई है। नीति आयोग की तरफ मान्यता के मापदंडों पर आधारित बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2024 के मुताबिक पिछले दस वर्षों में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर आए हैं। दुनिया के ख्यात अर्थशास्त्री थामस पिकेटी का कहना है कि भारत में तेजी से बढ़ता विकास आम आदमी की आमदनी बढ़ा रहा है और गरीबी में तेजी से घटने की प्रवृत्ति उभर रही है।

लोक कल्याणकारी योजनाओं से गरीबी और भुखमरी की चुनौती को कम करने में सहायता मिली है, लेकिन अभी भी बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे करीब 15 करोड़ से अधिक गरीबों को सरकार के लक्ष्य के मुताबिक वर्ष 2030 तक गरीबी से बाहर लाने के लिए और अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत है। हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि यद्यपि गरीबों के सशक्तीकरण के साथ देश में प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ी है, लेकिन अभी भी भारत दुनिया के उन प्रमुख दस देशों में शामिल जहां बीते बीस वर्षों में लोगों की आय में असमान इजाफा हुआ है। देश करोड़ों गरीबों के लिए हमें ऐसी नीतियां चाहिए, जो उनके लिए पोषक तत्त्वों से भरपूर भोजन के वितरण, उपलब्धता तय करने और उसे किफायती रखने में मददगार हो सकें।

उम्मीद है कि सरकार वर्ष 2025 में देश से गरीबी और घटाने के लिए सशक्तीकरण योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन के साथ नई योजनाओं और नए रणनीतिक प्रयासों के साथ आगे बढ़ेगी। इस परिप्रेक्ष्य में सरकार देश में बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे करीब पंद्रह करोड़ से अधिक लोगों को 2030 तक गरीबी से बाहर लाने के लक्ष्य पर ध्यान देगी।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार
स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

तेज़ गति वाली दुनिया में सॉफ्ट स्किल्स का कालातीत मूल्य

ऐसी दुनिया में जो अक्सर सफलता के मार्कर के रूप में धन और दिखावे का उपयोग करती है, मानव संपर्क का असली सार - सॉफ्ट कौशल - अक्सर पीछे रह जाता है हमें अक्सर उन कारकों के आधार पर आंका जाता है जो लंबे समय में प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। धन, शारीरिक विशेषताएं, जिस स्कूल या कॉलेज में हम गए उसका नाम, आकर्षक कपड़े और भी बहुत कुछ, हमारी सफलता को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंड हैं। हम भूल जाते हैं कि सॉफ्ट स्किल्स, यदि अधिक नहीं तो, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

ऐसी दुनिया में जो अक्सर सफलता के मार्कर के रूप में धन और दिखावे का उपयोग करती है, मानव संपर्क का असली सार - सॉफ्ट कौशल - अक्सर पीछे रह जाता है हमें अक्सर उन कारकों के आधार पर आंका जाता है जो लंबे समय में प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। धन, शारीरिक विशेषताएं, जिस स्कूल या कॉलेज में हम गए उसका नाम, आकर्षक कपड़े और भी बहुत कुछ, हमारी सफलता को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंड हैं। हम भूल जाते हैं कि सॉफ्ट स्किल्स, यदि अधिक नहीं तो, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में मुंबई की यात्रा के दौरान मैंने हवाई अड्डे पर चेक-इन कतार में धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार किया। काउंटर के पीछे मौजूद युवती ने यात्री को बोर्डिंग पास दिया और उसे व्हीलचेयर लेने के लिए कुछ दूर चलने के लिए निर्देशित किया। वृद्ध महिला ने गुप्त रूप से टिप्पणी की कि व्हीलचेयर अन्य रास्ते के बजाय उसके पास आने की उम्मीद थी। काउंटर वाली लड़की अनभिज्ञ लग रही थी। बाद में शाम को, मैं होटल के एक्सप्रेस चेक-इन काउंटर पर गया। जब सज्जन मेरी औपचारिकताएं पूरी करने से पहले कुछ लेने के लिए नीचे झुके तो मैंने धैर्यपूर्वक इंतजार किया। एक अन्य काउंटर महिला मेरी ओर देखते हुए चली गई। चूँकि काफी समय बीत जाने के बाद भी वह व्यक्ति वापस नहीं आया, तो मैंने बगल की मेज के पीछे बैठे सज्जन की ओर देखा, जिन्होंने यह कहते हुए मेरी सहायता करने की पेशकश की कि दूसरे काउंटर पर कंप्यूटर सिस्टम काम नहीं कर रहा है। रिसेप्शन पर मौजूद भीड़ में से किसी ने भी मेरी सहायता करने की जहमत नहीं उठाई। जिस निजी कंपनी में मैंने काम किया, उसने साल-दर-साल सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता के रूप में ख्याति अर्जित की। मुझे मूल्यांकन के मानदंडों के बारे में आश्चर्य हुआ, खासकर तब से जब मैंने देखा कि कई अधिकारी कंपनी छोड़ रहे हैं और काम की परिस्थितियों से असंतुष्ट हैं। नियम पुस्तिका में सभी सही शब्दों को लागू करने के लिए जिम्मेदार मानव संसाधन कर्मचारी मास्लो के आवश्यकताओं के पदानुक्रम के बुनियादी सिद्धांतों को समझने में विफल रहे। तीनों कंपनियां निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित नाम हैं। वे सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूलों या आतिथ्य उद्योग में सर्वश्रेष्ठ योग्यता वाले लोगों को भर्ती करते हैं। उनसे सरकारी क्षेत्र में काम करने वालों के विपरीत, सॉफ्ट स्किल्स को समझने की उम्मीद की जाएगी। एक निजी कंपनी में काम करते समय मैं एक प्रवर्तन एजेंसी के छापे का गवाह था और उसका शिकार भी हुआ था। अधिकारी वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ कार्यालय में घुस गए। मुझ पर बेरहमी से चिल्लाकर टेलीफोन न छूने का आदेश दिया गया। मेरे हाथ से मेरा मोबाइल फोन छीन लिया गया. अधिकारी 24 घंटे से अधिक समय तक कार्यालय में रहे, इस दौरान मुझे और टीम के अन्य सदस्यों को हमारे परिवारों से संपर्क करने की अनुमति नहीं दी गई। हमें बिना किसी कारण के अपराधियों की तरह महसूस कराया गया। हाल ही में जब मैंने वैध हरे ट्रैफिक सिग्नल को पार कर लिया था तो एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने मुझे रोक दिया था। मैं हैरान था. एक अन्य पुलिसकर्मी ने मुझसे चिढ़ते हुए मुझसे दूसरे अधिकारी के साथ बहस करने का कारण पूछा। जब मैंने इस मामले में अपनी अनभिज्ञता जाहिर की तो उन्होंने मुझे बेरहमी से डांटा। पुलिसकर्मी ने मुझे जाहिरा तौर पर लाल सिग्नल पार करने के लिए रोका था। सौभाग्य से, चौराहे पर कैमरे थे, जिससे मेरी बेगुनाही साबित हुई। हम अपने निजी जीवन में सॉफ्ट स्किल्स की इसी तरह की कमी का सामना करते हैं। दशकों पहले, मुझे और मेरी पत्नी को दिल्ली के एक प्रसिद्ध रेस्तरां में दोपहर के भोजन के लिए टेबल नहीं दी गई थी। हम नवविवाहित युवा जोड़े थे और शायद अपने नियमित ग्राहकों की तरह कपड़े नहीं पहनते थे। आकर्षक व्यक्तित्व, अच्छी शिक्षा और अच्छी नौकरी माता-पिता के लिए अपनी बेटियों की शादी अजनबियों से तय करने के लिए काफी हैं, बिना यह जाने कि युवक लड़की के साथ अच्छा व्यवहार करेगा या नहीं। अनगिनत हैंउदाहरण. मुझे एक अच्छा इंसान बनना सिखाया गया। आजकल के बच्चे अधिक बुद्धिमान और होशियार हैं। हमें बस उन्हें हर अगले दिन एक बेहतर इंसान बनना सिखाना है। सॉफ्ट स्किल्स का पालन किया जाएगा।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार
स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

शख्सियत

सफलता का विज्ञान

सफलता का विज्ञान उन सिद्धांतों, व्यवहारों और स्थितियों की पड़ताल करता है जो लक्ष्यों को प्राप्त करने और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे करियर, स्वास्थ्य, रिश्ते और व्यक्तिगत विकास में आगे बढ़ने में योगदान करते हैं। यह मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, समाजशास्त्र और व्यावहारिक रणनीतियों को मिश्रित करता है ताकि यह समझा जा सके कि व्यक्तियों को सफल होने के लिए क्या प्रेरित करता है। यहां कुछ प्रमुख पहलू दिए गए हैं-

1. मानसिकता

विकास मानसिकता: कैरल ड्वेक द्वारा गढ़ी गई यह मानसिकता इस बात पर जोर देती है कि क्षमताओं और बुद्धिमत्ता को प्रयास और दृढ़ता के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। **लचीलापन:** असफलताओं से उबरने की क्षमता महत्वपूर्ण है। लचीले व्यक्ति चुनौतियों को विकास के अवसर के रूप में देखते हैं।

2. लक्ष्य निर्धारण

स्मार्ट लक्ष्य: ऐसे लक्ष्य जो विशिष्ट, मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य, प्रासंगिक और समयबद्ध हों, इरादों को स्पष्ट करने और प्रगति को ट्रैक करने में मदद करते हैं।

विजुअलाइज़ेशन: सफलता और उसे प्राप्त करने के कदमों की कल्पना करने से प्रेरणा और फोकस बढ़ सकता है।

3. आदतें और अनुशासन

परमाणु आदतें: छोटी, सुसंगत आदतें समय के साथ जुड़कर महत्वपूर्ण परिणाम देती हैं (जेम्स क्लियर)। **आत्म-अनुशासन:** संतुष्टि में देरी करने की क्षमता दीर्घकालिक सफलता का एक मजबूत भविष्यवक्ता है।

4. भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईक्यू)

उच्च श्क्त वाले व्यक्ति अपनी भावनाओं और दूसरों की भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने, बेहतर रिश्तों और निर्णय लेने को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।

5. अनुकूलनशीलता और आजीवन सीखना

सफलता अक्सर परिवर्तन के अनुकूल ढलने, अनिश्चितता को अपनाने और लगातार नए कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता पर निर्भर करती है।

6. नेटवर्किंग और सामाजिक पूंजी

सार्थक संबंध बनाना और सामाजिक नेटवर्क का लाभ उठाना अवसरों और संसाधनों के द्वार खोल सकता है।

7. स्वास्थ्य और खुशहाली

शारीरिक स्वास्थ्य, उचित पोषण, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद ऊर्जा, फोकस और उत्पादकता में सुधार करती है। मानसिक स्वास्थ्य प्रथाएँ, जैसे कि सचेतनता और तनाव प्रबंधन, संज्ञानात्मक कार्य और भावनात्मक संतुलन को बढ़ाती हैं।

8. वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि

तंत्रिका विज्ञान: यह समझना कि मस्तिष्क कैसे काम करता है, जिसमें प्रेरणा में डोपामाइन की भूमिका भी शामिल है, व्यवहार को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है। **व्यवहारिक अर्थशास्त्र:** निर्णय लेने में अंतर्दृष्टि और संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों पर काबू पाने से बेहतर विकल्प में योगदान मिलता है।

9. दृढ़ता और धैर्य

धैर्य पर एंजेला डकवर्थ के शोध से पता चलता है कि दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए दृढ़ता और जुनून सफलता के महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता हैं।

10. पर्यावरण और प्रणालियाँ

विकर्षणों को कम करने और फोकस को अनुकूलित करने के लिए अपने वातावरण की संरचना करना उत्पादकता का समर्थन करता है। सिस्टम, दिनचर्या और उपकरणों का लाभ उठाना लगातार प्रगति सुनिश्चित करता है।

व्यावहारिक उपाय

लक्ष्यों को छोटे, कार्रवाई योग्य चरणों में तोड़ें। सकारात्मक आदतें विकसित करें और प्रगति में बाधा डालने वाली आदतों को खत्म करें।अपने आप को सहयोगी, समान विचारधारा वाले व्यक्तियों से घेरें।असफलताओं से लगातार सीखते रहें और आवश्यकतानुसार रणनीतियों को समायोजित करें।सफलता का विज्ञान सभी के लिए एक जैसा दृष्टिकोण नहीं है। इसके लिए आत्म-जागरूकता, प्रयोग और निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

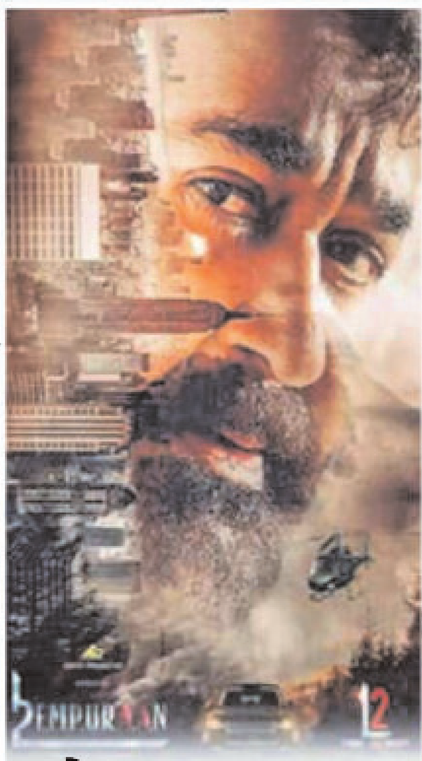

मोहनलाल की एल 2- एमपुरान की शूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2- एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एल 2- एमपुरान के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था।

एक्स अकाउंट पर किया व्यक्त

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है।
इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2- एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा,यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2- एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2- एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री पत्रलेखा भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और सोशल मीडिया पर कैसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अकसर ही जिम के बाहर पैपराजी घेर लेते हैं और उनकी तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी के बारे में कहा कि वह लोग काफी अच्छे होते हैं, अगर मैं उन्हें कहूं कि आज अच्छा गेटअप नहीं है और फोटो मत लो तो वह मेरी बात मान लेते हैं। इस पर इंटरव्यू ले रहे व्यक्ति ने पूछा कि क्या आप पैपराजी को खुद बुलाती हैं। इस पर पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूं। इसके जवाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तो पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हामी भरती हैं।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेल्फी खींच कर सोशल मीडिया पर डालती हैं। उनको इस पर खूब लाइक्स भी मिलते हैं। क्या सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले वह सोच-विचार करती हैं। पत्रलेखा इस सवाल के जवाब में कहती हैं, 'ऐसा नहीं है। मुझे अपनी जो फोटो अच्छी लगती है, सही लगती है, वह मैं शेयर कर देती हूं। मैं अपने मन की सुनती हूं, अपने मन की करती हूं।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखती हैं, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती हैं कि जब राजकुमार राव घर पर होते हैं तो उन्हें कोई फिल्म या शो देखने का सजेशन देते हैं। इसी तरह से वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्में सजेस्ट करती हैं। दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनपसंद खाना खाते हैं।

नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वाली अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूं

टीवी पर दुल्हन बनू मैं तेरी से रातों-रात लोकप्रिय होने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने छोटे पर्दे पर एक अरसा बिताने वाली ये अभिनेत्री नच बलिये और फियर फैक्टर -खतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। इन दिनों वे वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शीरी में दिखाई दे रही हैं। उनसे एक बातचीत। अपनी सीरीज के बारे में वे कहती हैं, ये कहानी सिर्फ एक औरत के अधूरे सपनों को पूरा करने की नहीं है बल्कि बुजुर्गों की कहानी भी है कि वे कैसे इफेक्ट हो रहे हैं? बच्चों पर क्या असर पड़ता है? जब एक औरत असंतुष्ट रहती है? वहीं सलीम बने जावेद जाफरी की अपनी कहानी है, जो बताती है कि जादूगर बनने के लिए उन्होंने क्या-क्या बलिदान दिए। मैं इसमें जादूगर बनने का सपना पूरा करती हूं और उसके लिए मेरे किरदार शीरी को किस तरह की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, यही हमारी वेब सीरीज है।
ट्रोल्स के बारे में वे हंसते हुए कहती हैं, हम जो सामाज हैं, उसी का तो प्रतिबिंब है सोशल मीडिया। अब उन्हें पता है कि उनके पास एक पर्दा है उस पर्दे की आड़ में वे अपनी कुटिल सोच को सामने लाते हैं। तो हम किसी एक ट्रोलर्स या बंदे को ब्लेम नहीं कर सकते, हमारी सोसायटी की सोच ही ऐसी है। हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। एक जमाने में हमारे घरों में चुगलखोर आंटियां हुआ करती थीं। ये ट्रोलिंग करने वाले वही तो हैं चुगलीखोर। मेरे फैंस भी इस बात के बहुत मजे लेते हैं। मैंने ट्रोल्स करने वालों के नाम रख दिए हैं आंटी और चाची, तो जब वे ट्रोलिंग करते हैं, तो मैं पूछ बैठती हूं, अरे आंटी आप दोबारा आ गई। एक जीजाजी (ट्रोल्स) हैं, जो हमेशा रूठे रहते हैं। मेरा मानना है कि जब आप इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते, तो फिर मजे ले लो।

ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की वेनम और एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं।
ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं। स्पाइरो रजाटोस ने इससे पहले वेनम और द फेट ऑफ द फ्यूरियस जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशन किया है। वहीं, एवेंजर्स- एज ऑफ अल्ट्रॉन में सी योंग ओह तथा जवान और पठान में सुनील रोड्रिग्स ने काम किया है।
बताया जा रहा है कि यह तिकड़ी एक शानदार और स्टाइलिश फाइट सीक्वेंस तैयार कर रही है, जो दर्शकों को लिए एक बेहद शानदार अनुभव होने वाला है।

दमदार होगा फिल्म का क्लाइमेक्स

फिल्म को एक शानदार अनुभव बनाने के निर्माताओं द्वारा काफी सारी चीजें की जा रही हैं, जिसके तहत फिल्म के क्लाइमेक्स में दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन सीक्वेंस दिखाया जाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दिसंबर के मध्य में मुंबई में हाई-ऑक्टेन क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग करेंगे, जिसे 15 दिनों के शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। दोनों कलाकार गोरेगांव में फिल्म सिटी और अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में इसकी शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी व्यक्तिगत रूप से सेट डिजाइन और जटिल एक्शन कोरियोग्राफी की देखरेख कर रहे हैं।

अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी वॉर 2

बताते चलें कि यशराज फिल्म्स की वॉर 2 अगले साल 2025 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आदित्या चोपड़ा द्वारा बनाया जा रहा है, जबकि अयान मुखर्जी इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे, जो बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे।

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत महीनों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17वीं सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में रुचि थी। हालांकि, इसी विषय पर आधारित मराठी फिल्म पवनखिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनाएं बदल गई। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट यकीनन उत्साह बढ़ाने वाला है।

अजय देवगन-ओम राउत के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम राउत दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। उन्होंने बाजी प्रभु की बायोपिक बनाने के विचार को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है, क्योंकि उस मोर्चे पर काफी शोध और योजना बनाई गई थी।

ऋतिक रोशन होंगे खलनायक!

विशेष रूप से, तान्हाजी में अजय देवगन ने तान्हाजी मालुसरे की भूमिका निभाई और अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। अगला भाग अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त मालूम होती है। अजय देवगन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे और वह इसमें खलनायक के रूप में ऋतिक रोशन को साइन करना चाहते हैं।
अजय वर्सेज ऋतिक की खबर ने बढ़ाया बज जानकारी के अनुसार, अजय को लगता है कि ऋतिक के पास जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति और करिश्माई ताकत है। वह स्क्रीन पर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे। अगर यह सहयोग होता है, तो यह दो बॉलीवुड सुपरस्टारों का पहला ऑन-स्क्रीन मिलन होगा। सीक्वल में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की अपनी भूमिका को दोहरा सकते हैं।
हालांकि, देवगन या राउत ने अभी तक कलाकारों और कहानी के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। काम के मोर्चे पर पेशेवर मोर्चे पर, अजय देवगन को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया था। आने वाले दिनों में अभिनेता सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगे। इस बीच, ऋतिक रोशन वॉर 2 में कबीर के रूप में अपनी वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं, जहां वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। वॉर 2, वॉर (2019) की बड़ी सफलता के बाद उसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल है।

4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा वरुण की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर

वरुण धवन इन दिनों अपनी वेब सीरीज व सिटाडेल हनी बनी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हुए हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। इसी बीच ट्रेलर रिलीज की तारीख पर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म का ट्रेलर 4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च करने की खबरें हैं, जिसमें फिल्म की टीम भी शामिल होगी। एटली द्वारा निर्मित बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव सहित कई मजबूत कलाकार हैं। सिटाडेल: हनी बनी में वरुण के प्रदर्शन की प्रशंसा की गई और दर्शकों को उम्मीद है कि वह बेबी जॉन में एक और मजबूत एक्शन भूमिका देंगे। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया ? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुड़िया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी ? उसने उन सभी में अंक बढ़ा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्‌टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने ? साड़ियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढ़ी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साड़ियां कैसे ? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न ? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें। सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध

अपनाएं ये आसान टिप्स

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपड़े से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगंन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपड़े को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग-अलग रखने की कोशिश करें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत: सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत: बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

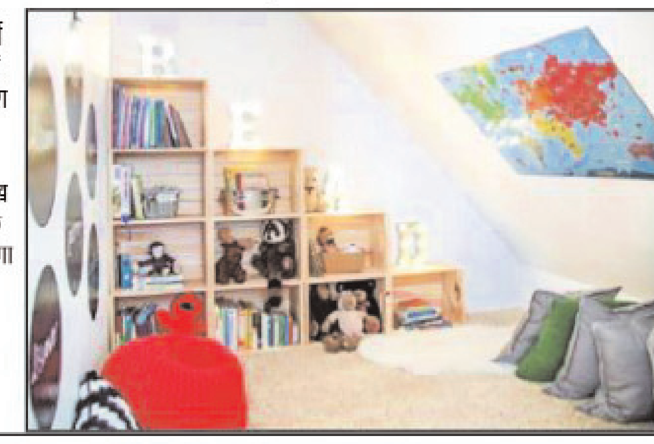

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 56 वीं पुण्यतिथि पर जयपुर एवं चौमूं में विशेष कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संस्थापक ब्रह्मा बाबा की 56वीं पुण्यतिथि "अव्यक्त दिवस" के रूप में 18 जनवरी को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जयपुर के किशनपोल बाजार स्थित सब जोन मुख्यालय, वैशाली नगर और अन्य सेवाकेंद्रों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। किशनपोल बाजार स्थित सब जोन मुख्यालय में आयोजन किशनपोल बाजार स्थित ब्रह्माकुमारी सब जोन मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राजयोग तपस्विनी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुषमा दीदी ने कहा, "ब्रह्मा बाबा ने नारी सशक्तिकरण को जीवन का आधार बनाया। उन्होंने माताओं-बहनों को संगठन की जिम्मेदारी सौंपकर यह संदेश दिया कि नारी शक्ति ही एक दिन दुनिया के उद्धार और सृष्टि परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभाएगी।" इस अवसर पर प्रातः 6:30 बजे से 12:30 बजे तक मौन योग साधना द्वारा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित किया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी को ईश्वरीय प्रसाद वितरित किया गया और पूरे केंद्र को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया।

वैशाली नगर के प्रभु निधि सभागार में मुख्य आयोजन

वैशाली नगर स्थित प्रभु निधि सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 800 से अधिक भाई-बहनों ने भाग लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी चंद्रकला दीदी ने कहा, "ब्रह्मा बाबा का जीवन प्रेरणादायक है। उन्होंने त्याग, समर्पण और नारी शक्ति के उत्थान को अपना जीवन बनाया।" कार्यक्रम के दौरान सामूहिक मेडिटेशन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित भाई-बहनों ने विश्व शांति और मानवता के कल्याण के लिए मौन तपस्या की। इस अवसर पर ब्रह्मा बाबा के जीवन की प्रेरणादायक घटनाओं को याद करते हुए उनके संदेशों को साझा किया गया।

चोमू सेवा केंद्र पर कार्यक्रम का आयोजन

चोमू स्थित प्रभु कीर्ति कुंज सेवा केंद्र पर ब्रह्माकुमारी प्रेम दीदी, मंगल दीदी और शिवानी दीदी ने ब्रह्मा बाबा के जीवन चरित्र और परमात्मा शिव के साकार महावाक्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाबा ने 140 देशों में आध्यात्मिक जागरूकता और चरित्र निर्माण की नींव रखी, जिससे भारत पुनः विश्व गुरु का स्थान प्राप्त करेगा। सभी सेवाकेंद्रों पर मौन योग साधना के साथ विश्व में सुख-शांति की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में ब्रह्मा भोजन और ईश्वरीय प्रसाद वितरित किया गया।

बनीपार्क सेवाकेंद्र पर विशेष आयोजन

ब्रह्मा बाबा की 56वीं पुण्यतिथि पर जयपुर के बनीपार्क सेवा केंद्र पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शांति स्तंभ का मॉडल बनाकर उसके चारों ओर योगाभ्यास किया गया। बीके लक्ष्मी दीदी ने बताया कि यह आयोजन आध्यात्मिकता, शांति, और ध्यान के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से किया गया था इस कार्यक्रम में बीके कुणाल भाई ने बताया कि प्रातः 6:30 बजे से 12:30 बजे तक भाई-बहनों ने मौन योग साधना द्वारा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित की और ब्रह्मा बाबा के चरित्रों का श्रवण किया। कार्यक्रम के अंत में सभी को ईश्वर प्रसाद बांटा गया, और सेवा केंद्र को फूलों से सजाया गया। सेवानी ग्रुप ऑफ़ कंपनीज और दिशा क्लासेज के सेवाधारी नरेंद्र कुमार सेवानी ने बताया कि सनसिटी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनेहा दीदी ने भी भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई इसमें नारी सशक्तिकरण, शांति और आध्यात्मिक जागरूकता में ब्रह्मा बाबा के योगदान को श्रद्धांजलि दी गई। इस आयोजन ने सभी को ब्रह्मा बाबा के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प दिलाया।

जयपुर में सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 फरवरी को

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। हिंदू युवा वाहिनी राजस्थान एवं सनातन सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 फरवरी 2025 को अग्रसेन पार्क के सामने ग्राउंड, सेक्टर-7, विद्याधर नगर में आयोजित होगा। इस संबंध में आज एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम संयोजक केशव अरोड़ा ने जानकारी दी कि विवाह सम्मेलन से पहले 30 जनवरी को सुबह 9 बजे राधा गोविंद मंदिर, सेक्टर-4 में श्री अमरनाथ जी महाराज के सानिध्य में श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ होगा। इसके बाद 1100 महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 30 जनवरी से 1 फरवरी तक देवी रितम जी कौशिक की अमृतमय वाणी के माध्यम से "नानी बाई का मायरा" का आयोजन होगा। 31 जनवरी को शाम 6 बजे से हरि इच्छा तक भजन संध्या होगी, जिसमें मशहूर गायक सीए रुद्र अपनी प्रस्तुति देंगे। 1 फरवरी को शाम 6 बजे से 9 बजे तक विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 2 फरवरी को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में प्रत्येक जोड़े को सोने-चांदी के गहने, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य उपहार भेंट किए जाएंगे। आयोजन समिति ने सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने का आश्वासन दिया है।

ढाढण शक्ति प्रचार मंडल की शोभा यात्रा और भजन संध्या संपन्न

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। ढाढण शक्ति प्रचार मंडल जयपुर द्वारा टीडा गेला दादीजी के दिव्य रथ का भव्य स्वागत किया गया। अंबाबाड़ी स्थित श्री दुर्गा मंदिर में दादीजी की विशेष आरती के साथ शोभायात्रा की शुरुआत हुई, जो दोपहर 2 बजे विद्याधर नगर के उत्सव स्थल पहुंची। दादीजी के दरबार में छप्पन भोग, आकर्षक श्रृंगार, और मेहंदी के साथ विशेष पूजन किया गया। जयपुर की विशेष चुनड़ी दादीजी को भेंट की गई। शाम 4 बजे से भजन संध्या की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई। मूलचंद बजाज, नेतन शर्मा, प्रदीप बजाज, और अन्य भक्तों ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन संजय बजाज और ललित बजाज ने किया। विशेष अतिथियों का सम्मान माला, दुपट्टा, और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण कर दादीजी का आशीर्वाद लिया।

सचिन पायलट के दौरे से कांग्रेस में उत्साह

जयपुर टाइम्स

देसूरी(निसं.) उदयपुर से चारभुजा होते हुए सचिन पायलट आज 20 जनवरी को सुबह 11 बजे देसूरी पहुंचेंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके स्वागत के लिए भव्य तैयारियां की हैं। देसूरी और बाली में उनका जोरदार स्वागत होगा। कार्यक्रम की जानकारी कांग्रेस नेता डॉ. दुर्गा सिंह राठौड़ ने दी। स्वागत के बाद कार्यकर्ता रूपू होते हुए सिरोही की ओर बढ़ेंगे। सचिन पायलट के इस दौरे से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर है, और जोरों-शोरों से तैयारियां की जा रही हैं।

उपकारागृह पर दो दिवस किया रामायण पठन

माघ माह की पंचमी पर किया पंगत प्रशादी काआयोजन

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) कस्बे के नरेना रोड स्थित उप कारागृह पर रविवार को विद्वान पंडितों के सानिध्य में चल रहे दो दिवसीय रामायण पठन का विधिवत पूजा अर्चना एवं मंत्रोच्चारण के साथ समापन किया गया। इस अवसर पर उप कारागृह परिसर पर विशाल पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें कारागृह के विचाराधीन बंदियों, रक्षा सुरक्षा स्टाफ तथा कस्बे के धर्म परायण लोग उपस्थित होकर 2 दिन से चल रहे रामायण पाठ का आनंद उठाया। उपकारागृह पर चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में नरेना दादूसंप्रदाय विश्व पीठाधीश्वर ओम प्रकाश दास महाराज, एवं पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष डॉ पुखराज स्वामी सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उपकारागृह प्रभारी भारतलाल मीणा एवं स्टाफ के सहयोग से आचार्य पं.शिव नारायण शर्मा एवं पंडितों,श्रद्धालु भक्तों ने रामचरितमानस का पठन किया। रामायण पठान के पश्चात श्री राम दरबार के प्रसादी का भोग लगाकर पंगत प्रसादी का विशाल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अविनाश दाधीच, समाज सेवी जगदीश ककरालिया, पू.कारागृह प्रभारी प्रहलाद गंगवाल, पार्षद सरदार सिंहचौधरी सहित सहयोगी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

सरजोली गांव को नवीन ग्राम पंचायत बनवाने की मांग

जयपुर टाइम्स

जमवारामगढ़(निसं.)। जमवा रामगढ़ उपखंड क्षेत्र के नेवर ग्राम पंचायत मुख्यालय के सरजोली गांव को नवीन ग्राम पंचायत गठित करवाने की मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों ने जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा को ज्ञापन सौंपा । कृषि पर्यवेक्षक मंगलचंद मीणा ने बताया कि सर्व समाज के लोगों ने सरजोली गांव को नवीन ग्राम पंचायत बनाने की मांग उठाई है । ग्रामीणों ने बताया कि सरजोली गांव नेवर ग्राम पंचायत में शामिल है जो नेवर ग्राम पंचायत सरजोली गांव से काफी दूरी पर है । लोगों को नेवर ग्राम पंचायत की दूरी अधिक होने से लोगों को कामकाज करवाने जाने में काफी समस्याएं आती है । इस समय सरजोली मे करीब 2200 मतदाता है ओर 3500 से अधिक की आबादी है । विधायक ने शीघ्र मांग पूरी करने का आश्वासन दिया है । हनुमान गुर्जर ने बताया कि लोगो की मूलभूत सुविधाएं पानी , शिक्षा ओर रोड जैसी ओर भी कई ग्रामीणों की मांगे हैं । वार्ड पंच हरि नारायण मौर्य , भोरी लाल मीणा , मुकेश कुमार मीणा , हनुमान सहाय राणा , सीता देवी गुर्जर ने बताया कि सरजोली गांव से लेकर ध्यावन्ना की ढाणी तक वर्ष 2015 में कृषि मंडी से बनी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है जिसमें लोगों को आवागमन मे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । इसको वापस नवीनीकरण करके डामरीकरण करवाने की मांग की है। शंभू सिंह राजपूत ने बताया कि सार्वजनिक पुस्तकालय का निर्माण हो रखा है उसमे भी फर्नीचर लगवाने की ग्रामीणों ने मांग रखी है । ज्ञापन देने के दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे ।

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस के अन्तर्गत महाविद्यालय में हुआ वित्तीय साक्षरता एवं डिजीटल इण्डिया पर व्याख्यान

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.) राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूँ में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस के अन्तर्गत कार्यक्रम अधिकारी भगवान सहाय शर्मा एवं डॉ चन्द्र मोहन राजोरिया के नेतृत्व में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ध्यान एवं प्रार्थना से चतुर्थ दिवस का शुभारम्भ हुआ। प्रथम सत्र में आरोह फाउण्डेशन, ब्लॉक जालसू के सहायक वित्तीय परामर्शदाता नाथू लाल चौधरी ने स्वयंसेविकाओं को वित्तीय साक्षरता से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया एवं विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड तथा उनसे बचने के उपायों के विषय में जागरूक किया। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता कम्प्यूटर अनुदेशक शिव सैनी ने इस विशेष शिविर की मुख्य थीम "मेरा युवा भारत एवं डिजीटल साक्षरता के लिए युवा" विषय पर अपना वक्तव्य देते हुए स्वयंसेविकाओं को डिजीटल साक्षरता के विविध पहलुओं से अवगत कराया। रोजगार के अवसर के विषय में बताते हुए कहा कि जिस समय कंप्यूटर की शुरुआत हुई तब लोगों ने इस संभावना के कारण कंप्यूटर का विरोध किया कि इसके प्रयोग से बेरोजगारी बढ़ जाएगी लेकिन आज इस कंप्यूटर के कारण ही रोजगार की अपार संभावनाएँ पैदा हो रही हैं। कंप्यूटर का क्षेत्र रोजगार की दिशा में कार्य करने वाला ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कभी मंदी की कोई संभावना नहीं रहेगी। इन्होंने कंप्यूटर के क्षेत्र में विभिन्न कोर्सेज जैसे-टैली, बीसीए, एमसीए, वेब डिजाइन, कोडिंग लैंग्वेज, डिजिटल मार्केटिंग आदि के विषय में बताते हुए इनके विषय में विस्तार से जानकारी दी। इसके माध्यम से न केवल सरकारी क्षेत्र अपितु स्वयं के निजी व्यवसाय में भी रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। छात्राओं को अपने रुचि के अनुसार इन कोर्सेज को चुनना चाहिए और कंप्यूटर के विभिन्न कोर्स करके विभिन्न प्रकार के रोजगार की योग्यता अर्जित करनी चाहिए। तृतीय सत्र में स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता हेतु श्रमदान किया। शिविर में सभी स्वयंसेविकाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। स्वयंसेविका प्रियंका वर्मा, अक्षिता चौधरी, नेहा यादव, पूजा बैरवा, शिवानी कुलदीप आदि ने अपने विचार साझा किए।

अस्पताल के बाहर एंबुलेंस का गेट लॉक, मरीज की मौत, कांच तोड़कर बॉडी बाहर निकाली

जयपुर टाइम्स

भीलवाड़(निस.) भीलवाड़ा में महात्मा गांधी अस्पताल के बाहर 108 एंबुलेंस का गेट लॉक हो गया, जिससे महिला मरीज की मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। महिला के बेटे ने आरोप लगाया कि मेडिकल डिपार्टमेंट की लापरवाही के कारण उसकी मां की जान गई है। घटना प्रतापनगर इलाके में सुबह 10.30 बजे हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिला के परिजन एंबुलेंस का गेट खोलने का प्रयास कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर भी नहीं था। जानकारी के मुताबिक जवाहर नगर निवासी सुलेखा देवी(43) पत्नी प्रशांत कुमार की मौत हुई है। महिला के बेटे गौरव ने बताया- मैं संडे होने के कारण आज देर तक सो रहा था, फोन बजने पर मैं उठा तो मां सुलेखा देवी को फांसी के फंदे पर झूलता हुआ देखा। छोटे भाई रवि और पापा ने फंदे से उतारकर एंबुलेंस की सहायता से हॉस्पिटल के लिए रवाना हुए। मां की सांसें चल रही थी। एंबुलेंस में मां को ऑक्सीजन देने की कोशिश की गई, लेकिन ऑक्सीजन का सिलेंडर खराब था। इससे मां को ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिल सका। एंबुलेंस का ड्राइवर भी रास्ता भूल गया। वह महात्मा गांधी अस्पताल लाने की बजाय 3 किलोमीटर दूर एक दूसरे गांव में ले गया। फिर अस्पताल लेकर पहुंचा, जिससे आने में करीब 20 मिनट की देरी हो गई। गौरव ने बताया कि अस्पताल पहुंचते ही एंबुलेंस से मां को बाहर निकाल रहे थे, तब ही गेट लॉक हो गया। करीब 10 मिनट बाद भी जब गेट नहीं खुला तो एंबुलेंस के कांच तोड़कर मां को बाहर निकाला और अस्पताल में लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी का कहना है- जिले में 32 एंबुलेंस संचालित है। एंबुलेंस में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। सिलेंडर में ऑक्सीजन है, कोई भी चेक कर सकता है। एंबुलेंस वर्तमान में थाने में ही खड़ी है। प्रताप नगर थाना प्रभारी सुरजीत ठोलिया ने बताया कि महिला के सुसाइड की सूचना मिली थी। पुलिस पहुंची तब तक परिजन महिला को अस्पताल ले जा चुके थे। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाए हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो पाएगी। फिलहाल परिजनों से रिपोर्ट नहीं मिली है।

बालाजी को लगाया पौष बड़ा का भोग

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे में स्थित चंपेश्वर कॉलोनी वार्ड नंबर 30 स्थित रविवार को श्री वीर हनुमान मंदिर परिसर में सामूहिक पोष बड़ा प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय पार्षद दिनेश शर्मा ने बताया कि सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज पूजा अर्चना श्रंगार व महाआरती करके भोग लगाया गया। उसके पश्चात पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी प्राप्त की गई। कार्यक्रम में बुजुर्ग, महिलाएं युवा सहित समस्त कॉलोनी वासी मौजूद रहे।

सगाई से इनकार किया तो युवक की मूंछ-बाल काटे, परिवार को बंधक बनाया, पीटा

स्टेशन मास्टर बोला- जिसकी फोटो दिखाई वो लड़की नहीं थी

जयपुर टाइम्स

करौली (निस.)करौली में सगाई की रस्म से ऐन वक्त पहले शादी से इनकार करना लड़की के परिवार को नागवार गुजरा। वधू पक्ष पर आरोप है कि उन्होंने स्टेशन मास्टर युवक के परिवार को बंधक बना लिया। मारपीट के साथ स्टेशन मास्टर युवक के भाई की मूंछ-बाल भी काट दिए। शनिवार (18 जनवरी) को नादौती थाना क्षेत्र में हुई इस घटना का रविवार को वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार लड़का टोडाभीम (करौली) थाना क्षेत्र का रहने वाला है और रेलवे में स्टेशन मास्टर है। स्टेशन मास्टर ने आरोप लगाया- जिसकी फोटो दिखाई वह लड़की सगाई में नहीं थी।

भाई-बहन को पसंद नहीं आई लड़की

स्टेशन मास्टर युवक ने बताया कि परिवार शनिवार दोपहर करीब 12 बजे वधू पक्ष के घर पहुंचा था। सगाई की रस्म जैसे ही शुरू हुई तो लड़की को परिवार ने चौकी पर बैठाया। इस दौरान लड़के के भाई और बहन ने लड़की को नापसंद करते हुए सगाई से इनकार कर दिया। जिस लड़की की फोटो दिखाई थी, वह लड़की अलग है और यह लड़की अलग है। घरवालों ने घर जाकर जवाब देने की बात कही। तो लड़की वालों ने वहीं जवाब देने के लिए कहा। जिसके बाद घरवालों ने सगाई करने से मना कर दिया। लड़की के परिवार पर आरोप है कि उन्होंने लड़के के पिता, चाचा और छोटे भाई को जबरन रोक लिया और पंच-पटेलों को बुलाकर मामले को निपटाने की बात कही। लड़की पक्ष के लोगों ने इसे अपमान समझते हुए लड़के वालों को बंधक बना लिया। उसके बाद स्टेशन मास्टर युवक के भाई के साथ मारपीट की। लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के के भाई को पकड़कर उसकी मूंछ और बाल काट दिए। लड़के ने बताया कि दुल्हन पक्ष के लोग बिना लड़की को दिखाए सगाई करना चाह रहे थे। युवक ने बताया कि मेरे साथ गलत हुआ। युवक ने समाज और पुलिस से मदद की मांग की है। नादौती थाना प्रभारी महेंद्र कुमार ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। तब तक लड़के पक्ष के लोग अपने गांव निकल गए थे। इसके बाद पुलिस टीम लड़के पक्ष के गांव पहुंची और उनसे बात की। उन्होंने पंच-पटेलों, रिश्तेदारों से बात करने के बाद ही पुलिस में मामला दर्ज कराने की बात कही है। अभी दोनों पक्षों की ओर से शिकायत नहीं मिली है।

प्रारूप - 10
नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर पालिका मण्डल, सॉभरलेक

क्रमाक- 1714 दिनांक- 13/01/2025

लोक सूचना

मनसुख रियल्टी पता- प्लाट न. 01, द्वितीय तल, ज्ञान विहार, डी.सी.एम, अजमेर रोड़, जयपुर जरिये अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता पार्टनर श्री दिनेश कुमावत पुत्र श्री शिवभगवान, उम्र 52 वर्ष, जाति कुमावत, निवासी गणगौरी बाजार, फुलेरा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राज.) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि के अनुसार भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

ग्राम, जिले, तहसील का नाम	खसरे व क्षेत्रफल	चाहा गया उपयोग
ग्राम कस्वा सॉभरलेक, तह. फुलेरा, जिला जयपुर	खसरा सं. 2393 / 1386 रकबा 0.3161 हैक्टेयर किस्म बारानी- 4, खसरा सं. 2394/1386 रकबा 0.4426 हैक्टेयर किस्म बारानी- 4, खसरा न. 2586 / 2395 रकबा 0.2200 हैक्टेयर किस्म बारानी-4 कुल खसरे 03 कुल रकबा 0.9787 हैक्टेयर	आवासीय योजना प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्तारकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आपेक्ष नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जाएगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक 13/01/2025 को जारी की गई है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, सॉभरलेक

मीटर रीडिंग के दौरान लाईमेन पर हमला, मारपीट और तोड़फोड़

जयपुर टाइम्स

पाटन(निस)। पाटन थाना क्षेत्र के रायपुर गांव में अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लाईमेन कुलदीप सिंह पर मीटर रीडिंग के दौरान हमला किया गया। घटना 18 जनवरी 2025 को दोपहर 3.25 बजे हुई, जब कुलदीप सिंह निक्की शर्मा के परिसर में मीटर रीडिंग ले रहे थे। पीड़ित के अनुसार, निक्की शर्मा ने पीछे से आकर धक्का दिया और मारपीट की। इस दौरान कुलदीप सिंह के गले पर चोट लगी और निगम की ओर से दिया गया प्रिंटर व बैग भी तोड़ दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। जब उन्होंने उच्च अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, तो निक्की शर्मा ने उनका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। पीड़ित ने इस घटना की सूचना पाटन थाने में दी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ धारा 121(1), 132, और 324 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना से विद्युत निगम के कर्मचारियों में भय का माहौल व्याप्त है। कर्मचारियों ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

यात्री का करीब ढाई लाख रुपए का सामान दो घण्टे में लौटाया, निर्भया को एसपी ने किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। जिला पुलिस अधीक्षक ने निर्भया स्क्रायड को एक यात्री का सामान मात्र दो घंटे में तलाश कर लौटाने पर सम्मानित किया। कानाराम निवासी सीकर मय अपने सामन के ऑटो रिक्शा से मण्डावा मोड झुन्झुनू से पिरूसिंह सर्किल झुन्झुनू जा रहा था, जो पिरूसिंह सर्किल पर उतरते समय अपना सामान ओटो रिक्शा में भूल गया। जिसमें यात्री का करीब 2,50,000 रूपये का सामान था। यात्री को कुछ समय बाद अपना सामान याद आने पर यात्री कानाराम ने ऑटो की तलाश करने पर भी यात्री को ऑटो रिक्शा नहीं मिला। इस पर मोके पर कोतवाली थाना के ड्यूटी अधिकारी व निर्भया स्कॉयड को सूचना मिलने पर कोतवाली थाना व निर्भया स्कॉयड ने संयुक्त रूप से ऑटो की तलाश प्रारंभ की। सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर ऑटो को ट्रेस कर मात्र दो घण्टे में ऑटो रिक्शा तक पहुंचकर पीड़ित कानाराम को उसका करीब 2,50,000 रूपये का सामान सुपुर्द किया गया। कानाराम ने जिला पुलिस का धन्यवाद किया। इस कार्यवाही में निर्भया स्कॉड की सरोज, सरोज व बलकेश मकानि का विशेष योगदान रहा। जिस पर शरद चौधरी आईपीएस उप महानिरीक्षक पुलिस जिला झुन्झुनू ने सम्मानित किया।

अपराध को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक ने ली क्राइम बैठक

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। शरद चौधरी आईपीएस उप महानिरीक्षक पुलिस, जिला झुन्झुनू के निर्देशानुसार रविवार को जिले में अपराध की स्थिति की समीक्षा करने के लिए जिले के पुलिस अधिकारी सभागार, रिजर्व पुलिस लाईन में क्राईम मीटिंग ली। मीटिंग में अति. पुलिस अधीक्षक, वृताधिकारी, थानाधिकारी आदि शामिल हुए। मीटिंग में पुलिस अधीक्षक ने जिले में हुए अपराधों की संख्या और प्रकृति की समीक्षा व पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपस्थित वृताधिकारी व थानाधिकारी को सभी लंबित मामलों की शीघ्र जांच पूर्ण कर पीड़ितों को राहत प्रदान के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर भी विशेष ध्यान देने पर जोर दिया और ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने, स्थानान्तरण किए गए कार्मिकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए। जिले में वर्तमान में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने, बदमाशों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही करने, किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार जैसे नशीले पदार्थ, जुआ, सट्टा, आबकारी, आर्म्स के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वर्तमान में बढ़ रहे साईबर अपराध पर अंकुश लगाने व साईबर ठगों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उन्होने यातायात व्यवस्था को इस सुधारने और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उपायों पर भी चर्चा की और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बोलेरो की छत पर चादर लगाकर शराब की तस्करी, हरियाणा से राजस्थान होकर गुजरात ले जा रहे थे, 2 लाख की खेप पकड़ी

जयपुरटाइम्स

उदयपुर (निस)की भूपालपुरा थाना पुलिस ने 2 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब के 29 कर्टन जब्त करते हुए 2 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों तस्कर हरियाणा से शराब लेकर गुजरात में तस्करी को जा रहे थे। आरोपियों ने बोलेरो के अंदर छत में बॉक्स बनाकर शराब की बोतलें भरी हुई थीं। थानाधिकारी आदर्श कुमार ने बताया कि आरोपी भजनलाल विश्नोई (30) निवासी जालोर और जीवनलाल विश्नोई (26) निवासी जालोर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि मुखबिर से सूचना पर शोभागपुरा 100 फीट रोड पर नाकाबंदी की गई। तभी सिल्वर कलर की एक बोलेरो को रुकवाया। फिर गाड़ी को चेक किया। बोलेरो की छत पर लोहे की चादर से बॉक्स बनाकर और पीछे वाली दोनों सीटों के बीच बॉक्स में शराब भरी हुई थी। बॉक्स को काटकर देखा तो विभिन्न ब्रांड की 29 पेटी अंग्रेजी शराब की बोतलें भरी हुई पाई गई। पुलिस ने अवैध शराब को जब्त कर लिया। वहीं, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे हरियाणा से राजस्थान होते हुए गुजरात में शराब की तस्करी कर रहे थे। पुलिस से बचने के लिए उन्होंने बोलेरो की छत व अंदर बॉक्स बनाए और उनमें शराब की बोतलें भरी। आरोपी काफी समय से इसी तरह से शराब की तस्करी कर रहे थे।

राजस्थान प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक संघ के शैक्षिक सम्मेलन में लिया भाग

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राजस्थान प्राथमिक व माध्यामिक शिक्षक संघ का दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन बाड़ी, धौलपुर में आयोजित किया गया जिसमें झुंझुनूं जिले से हवासिंह बामिल (जिलाध्यक्ष) व सुशील कुमार बुड़ानिया (जिला मंत्री) के नेतृत्व में बीरबल सिंह सुण्डा प्रदेश उपाध्यक्ष, ज्वाला प्रसाद झाझडिया संरक्षक, बजरंग सिंह मूंड प्रदेश प्रतिनिधि, उम्मेद सिंह दाका जिला उपाध्यक्ष, ओमनारायण प्रधानाचार्य, नरेश कुमार प्रधानाचार्य, सुभाषचन्द्र झा., केशर देव, गोकूल सिंह, सरोज कुमारी, शशिकला, मुन्नी मीणा, सन्तरा चौधरी, संगीता, संगीता ऐचरा, मूलचंद डूडी, सुरेन्द्र महला, विमला, सूबेसिंह, महबूब अली, राजेन्द्रसिंह, धन्नाराम सहित कई शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गिर्राज सिंह मलिंगा, विशिष्ट अतिथि भाजपा नेत्री नीरज, अशोक शर्मा ने शिक्षकों की जायज मागों को सरकार तक पहुंचाने का विश्वास दिलाया और शिक्षक शिक्षार्थी के हित संरक्षण में कार्य करने, शिक्षकों के नियमानुसार तबादले करने की मांग को जायज बताया।सम्मेलन में शिक्षकों की निम्न मांगों पर चर्चा की गई। शिक्षक- विद्यार्थी- अभिभावक में सामजस्य स्थापित हो, शिक्षक सृजनात्मक कार्यों में भाग लें, नियमित तृतीय श्रेणी व उच्च पदों की डीपीसी पदोन्नति, तृतीय श्रेणी व टीएसपी शिक्षकों के तबादले, विशेष शिक्षकों की नियुक्ति, एनपीएस का पैसा सरकार कार्मिकों को वापस भुगतान करे, शिक्षकों की वेतन विसंगति के निराकरण तथा खेमराज कमेटी की सिफारिश पूर्णतया लागू करने सहित अन्य मांगों का द्वितीय दिन संकलन कर राज्य सरकार को भेजी गई। प्रदेशाध्यक्ष विपिन प्रकाश शर्मा व सभाध्यक्ष शशिभूषण शर्मा ने सरकार को चेताया कि हमारी मांगो की अनदेखी करती है तो हम कड़े आन्दोलन के लिए तैयार हैं। संगठन के मुख्य महामन्त्री महेन्द्र पांडे ने कहा संगठन लगातार संघर्ष कर शिक्षकों की मांगों के लिए संघर्ष कर रहा है शिक्षको की जो मांगें सम्मलन में आई उन को समेकित कर मांग-पत्र के रूप में सरकार को देंगे। समापन सत्र में शनिवार को 10.00 बजे सम्पन्न हुआ जिसमें समेकित मांग-पत्र व संगठनात्मक बिन्दुओं पर चर्चा सम्पन्न हुई। प्रदेश कार्यकारिणी की तरफ से सम्मेलन संयोजक व जिला अध्यक्ष मनोज मीणा व धौलपुर की समस्त कार्यकारिणी को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद पारित किया गया। शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षकों को उपस्थिति प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता नहीं है विभाग की तरफ से कोई आदेश या गाइडलाइन जारी नहीं किए गए। प्रदेशाध्यक्ष विपिन प्रकाश शर्मा ने बताया सम्मेलन का समापन 18.01.25 को बाड़ी धौलपुर में हुआ।

हाँसलसर में भोमिया दादा प्रवेश द्वार का भव्य लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले के हाँसलसर गांव में श्री भोमिया दादा के मंदिर से जुड़े प्रवेश द्वार का निर्माण चौधरी श्योकरण राम ब्यामल व जड़ाव देवी की पुण्य स्मृति में श्रीराम मैनेजर, चंदगीराम सेवानिवृत अध्यापक व रामकरण अध्यापक ने 5 लाख रुपये की लागत से बनवा कर सार्वजनिक हित में समर्पित किया है। शनिवार को श्री भोमिया दादा मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार का लोकार्पण पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी व उपभोक्ता के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने किया। लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ भोमिया दादा मंदिर में दीप प्रज्वलित कर किया गया और अतिथियों ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया। लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शुभकरण चौधरी ने कहा कि अब वक्त समाज को संगठित करने का है और समाज में फैली बुराइयों को हम संगठित होकर ही दूर कर सकते है और अच्छे संस्कार आगे आने वाली पीढ़ी को दे सकते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने सकारात्मक सोच व शिक्षा को जिन्दगी की आधारशिला बताते हुए युवाओं का आह्वान किया कि अपनी जन्मभूमि के प्रति हमेशा समर्पित रहे और हरेक काम इंसानियत की भावनाओं के साथ करना चाहिए। मील ने कहा कि हरेक जरूरतमंद को मदद और हरेक नौजवान को शिक्षा मिल सके। इसके लिए हमेशा सकारात्मक सद्प्रयास करते रहने की आज महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ब्यामल परिवार की ओर से किए गये सामाजिक कार्यों से प्रेरणा लेकर गांव में शिक्षा और रोजगार आसानी से उपलब्ध हो सके। इसके लिए युवाओं को पहल करनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सतवीर झाझड़िया ने करते हुए अनेक प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए व इतिहास की गहराइयों का उदाहरण देते हुए संस्कारवान शिक्षा की वकालत की। लोकार्पण कार्यक्रम में पंचायत समिति उदयपुरवाटी की प्रधान माया देवी, अजय भालोठिया जिला परिषद सदस्य, रामनिवास शर्मा सरपंच हांसलसर, उदमी राम झाझड़िया पूर्व सरपंच, संजू देवी सरपंच शीथल, राम सिंह खेदड़ पंचायत समिति सदस्य विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में चंदू शर्मा, मोहर सिंह झाझड़िया, रणवीर झाझड़िया, पितराम मील, सूबेदार राधेश्याम झाझड़िया, होशियार सिंह दूत , महिपाल महला प्रधानाचार्य, कैप्टन ओमप्रकाश ढाका, मोहन लाल राव, रमेश मील, ओम प्रकाश शर्मा, नरेश मील, अनिल राव, मंगलाराम कुमावत, रतन मील, रोहिताश झाझड़िया सहित बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति में लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

फरीदाबाद पुलिस ने राजस्थान से 4 ठगों को दबोचा

जयपुर टाइम्स

फरीदाबाद(निस.) में शेयर मार्किट के नाम पर हुई धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्री गंगानगर से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने एक व्यक्ति से फर्जी के नाम पर 46.20 लाख रुपए की ठगी की थी। मामले में पीड़ित ने बताया कि 2 दिसंबर 2023 को उसकी फेसबुक पर एक लिंक आया, जिस पर क्लिक करने के बाद उसे एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। आरोपियों ने एक वेबसाइट का लिंक भेजकर उससे यूजर आईडी और पासवर्ड बनवाया। शुरूआत में पीड़ित ने 2 लाख रुपए का निवेश किया। आरोपियों ने उसे विश्वास में लेकर धीरे-धीरे कुल 46.20 लाख रुपए का निवेश करवा लिया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरमित सिंह, सुखमन सिंह, बलविंदर सिंह उर्फ बिंदु (तीनों नकेरा गांव, हनुमानगढ़ निवासी) और छगनप्रीत सिंह (बिसनपुरा गांव, श्री गंगानगर) के रूप में की है। पूछताछ में सामने आया कि गुरमित और बलविंदर खाते उपलब्ध करवाने का काम करते थे, छगनप्रीत बैंक खाता ऑपरेटर था, जबकि सुखमन की खरीद-फरोख्त का काम करता था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले भी 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साइबर सेल की टीम अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की गहन जांच कर रही है।

आबकारी थाने से शराब भरकर ले जा रहे तस्कर पकड़े

जयपुर टाइम्स

हनुमानगढ़(निस.) आबकारी द्वारा जब्त की शराब की पेटियों को पुलिस ने 1 घंटे बाद तस्करों से दोबारा बरामद किया। इसके बाद एसपी अरशद अली ने पूरे मामले में आबकारी थाने की मिलीभगत होने का आरोप लगाया है। एसपी अरशद अली का कहना है कि दोबारा जब्त की शराब उसी बैच की है जिस जखीरे को आबकारी ने जब्त किया था। एसपी का दावा है कि उनके पास इस पूरी मिलीभगत का वीडियो भी है। एसपी अरशद अली ने बताया- मामले में गिरफ्तार 3 तस्करों ने खुद कबूल किया है कि उन्होंने यह नशे की खेप आबकारी थाने से पिकअप में लोड करवाई थी। वहीं इस पिकअप को एस्कॉर्ट करने के लिए इसके साथ एक फॉर्च्यूनर भी चलती थी। मामले को लेकर एसपी अरशद अली ने रविवार दोपहर जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब निर्मित शराब की खेप ले जा रहे संगरिया निवासी अभिषेक उर्फ सेठी (32), रावतसर निवासी हरजिन्द्र सिंह (30) और फतेहपुर निवासी हरविन्द्र सिंह (27) को गिरफ्तार किया है।

150 जरूरतमन्दों को कम्बल वितरण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 17 स्थित बाल भारती विद्या निकेतन विद्यालय में ढण्ढो के बालाजी सोसायटी की ओर से पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष व पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सज्जन लाल मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में कम्बल/स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शीतलहर से आम जन मानस को राहत पहुंचाने के लिए रविवार को धर्म और जाति बंधन से दूर हटकर ठंड के मौसम में व्यक्तियों को कंबल व शाला बच्चों को स्वेटर वितरित की गई। इस मौके पर मिश्रा ने कहा कि दान करना बहुत ही पुण्य का काम है। सनातन धर्म में सदियों से ही दान की परंपरा रही है। आज भी लोग मन की शांति, मनोकामना पूर्ति, पुण्य की प्राप्ति के लिए दान करते हैं। इसी कड़ी में ढण्ढो के बालाजी सोसायटी के प्रमुख भास्कर शर्मा व डॉ0 साधना शर्मा इस प्रकार का कार्यक्रम पिछले 6 - 7 वर्ष से हर वर्ष करते आ रहे हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष नगरपालिका चेयरमैन नरेश सोनी ने कहा कि पुण्य के कार्य करने से त्याग की भावना बनी रहती है और समाज में समानता आती है और जरूरतमंद लोगों को मदद मिलती है। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई। इस मौके पर करीब असहाय, गरीब व जरूरतमन्दों को 150 कम्बल और 50 स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित की गई। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष व बाय सरपंच तारा देवी पूनिया ने कहा कि सोसायटी की ओर से निशुल्क चिकित्सा कैम्प भी समय समय पर डॉ. साधना शर्मा की ओर से लगाए जाते हैं, यह इनकी महानता को दर्शाते हैं। इस मौके पर विनोद पूनिया, रोशन मुन्ना धोबी, पवन कुमार घासोलिया, किशनलाल बाकोलिया, हरिराम दादरवाल, मांगेराम दहिया, उमा पाराशर, राकेश सनोदिया, राकेश मीणा, निलेश सनोदिया, पल्लवी मिश्रा, उषा सैनी, लक्ष्मी सैनी, संतोष मंगलचंद सनोदिया आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। अंत में स्कूल निदेशक राजेन्द्र सनोदिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विधायक रीटा चौधरी का मण्डावा दौरा, ग्रामीणों ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। विधायक रीटा चौधरी रविवार को मण्डावा कस्बे के दौरे पर रही। हाजी फारुख जमाल खत्री के आवास पर हाजी फारुख खत्री पूर्व पार्षद इकबाल खत्री उमर खत्री सहित खत्री परिवार के सभी लोगो ने रीटा चौधरी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कयूम मोम व उमर मोम के आवास पर हाजी आमीन मोम के नेतृत्व में मोम परिवार ने विधायक का चुनरी उढ़ाकर सम्मान किया। हाकिम खत्री के निधन पर विधायक रीटा चौधरी ने खत्री आवस पर जाकर अख्तर खत्री सहित परिजनों को सांत्वना दी। इब्राहिम भाटी के आवास पर पहुंच कर उनके पुत्र उम्मेद भाटी सहित परिजनों को सांत्वना दी।लाहोरा आवास पर पहुंच कर संतोष लाहोरा पुत्र किशन लाल लाहोरा के असामायिक निधन पर उनके भाई कैलाश लाहौरा व सूर्यप्रकाश लाहौरा सहित सभी परिजनों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। चौपदार आवास पर पहुंच कर राजेन्द्र चौपदार (मस्ता) व विनोद चौपदार को उनकी माता के निधन पर संवेदना जताई। उनके साथ पूर्व पालिका अध्यक्ष सज्जन मिश्रा, पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, उपाध्यक्ष नवाब खत्री, नगर कांग्रेस अध्यक्ष आमीन कारी, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष अयूब भाटी, पार्षद आसिफ खत्री, जिलानी महनसरिया, फारुख मोम, पूर्व पार्षद गोपाल चांवरिया, सुभाष चंदेलिया, विजय अधिकारी, अब्बास खत्री, अनवर शेख, फारुख शेख, फैज मोहमद शेख,जब्बार खत्री, दिनेश कालोया सहित सैंकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौ- संवर्धन व नंदी संरक्षण सम्मेलन आयोजित

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ पिंजरा पोल, गौ शाला, गौ -संवर्धन व नंदीशाला की ओर से रविवार को हाइवे के पास स्थित पिंजरापोल नंदीशाला में करणी माता मंदिर पीठाधीश्वर संत चंद्रमादास महाराज (पालवास) के सानिध्य में गौ -संवर्धन व नंदी संरक्षण सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल कोलकाता कमेटी के मंत्री विष्णु लोहिया, सह मंत्री रमेश झुंझुनूवाला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वही गौ सेवक कानसिंह निर्वाण मुख्य वक्ता, लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल गौ शाला के अध्यक्ष बाबूलाल चिरानिया, उपाध्यक्ष पवन बुटोलिया, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर मोहन भोगे, राजेंद्र खंडेलवाल सीकर अतिथि के रूप में मंचासिन रहे। इस मौके पर समिति के स्थानीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ओर से मंचस्थ अतिथियों का पुष्प माला, साफा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागवत किया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में गौ संवर्धन केंद्र के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा ने स्वागत भाषण दिया गया। जिसके पश्चात संत चंद्रमादास महाराज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता में भगवान विराजते है। व्यक्ति भगवान को पाने के लिए जगह जगह ढूंढते फिरते हैं व दर्शन करने के लिए तीर्थ जाते हैं और जाना चाहिए यह सनातन की परंपरा है। लेकिन यदि व्यक्ति भगवान की सच्ची भक्ति चाहता है तो उसे जगह जगह भटकने की जरूरत नहीं गायों के बीच में चलें जाएंगे तो वहां सबकुछ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कि आज के इस भागदौड़ के समय में भी लोग गौ माता के लिए समय निकाले तो यह बहुत बड़ी बात है। चंद्रमादास महाराज ने गौ माता की महिमा बताते हुए बताया कि जिनके गोमूत्र में साक्षात भगवती गंगा मैया है और जिनके गोबर में साक्षात लक्ष्मी मैया निवास करती हैं वो गौ माता स्तुत्य है इसी के साथ उन्होंने लक्ष्मणगढ़ नंदी शाला की सराहना की। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व गौ सेवक कान सिंह निर्वाण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गाय उतनी ही जरूरी है जितना शरीर में प्राण का होना जरूरी है। हमारे भारत की पहचान गाय माता से है। जिस जगह गाय माता निवास करती है उस जगह का वायुमंडल स्वतः ही शुद्ध हो जाता है। निर्वाण ने वर्तमान खान पान पर चर्चा करते हुए कहा कि हम हर तरीके से अशुद्ध खानपान कर दिन प्रतिदिन बीमारियों को आमंत्रण दे रहे हैं। रतनलाल चिरानिया, नंदीशाला के मंत्री प्रमोद मंगलूनेवाला, गौशाला के मंत्री सुशील जाजोदिया, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर खादूवाला, पूर्व पालिकाध्यक्ष हरिप्रसाद पुजारी, बगड़िया बाल विद्यानिकेतन के सचिव पवन गोयनका, अग्रवाल पंचायत के अध्यक्ष विमल चिरानिया, आत्माराम मिश्रा, अनिल मिश्रा, राजकुमार खिरवेवाला, सुभाष जोशी, पुरुषोत्तम मिश्रा,राम प्रसाद बनाई वाला, रामनिवास शर्मा, युवा अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जाजोदिया, विप्र सेना महिला मोर्चा अध्यक्ष अरुणा पाराशर, मनोज सैनी, राजेन्द्र माटोलिया, कमल कुमावत, पार्षद अमित जोशी, मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में शहर के नागरिक मौजूद रहे।

ठिठुरा देने वाली ठंड पर भारी पड़ी श्रद्धा, जरूरतमंदों लोगों को कंबल वितरित

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बावजूद परमपिता शाह सतनाम जी महाराज के पावन एमएसजी अवतार माह का नामचर्चा सत्संग भंडारा धूमधाम से मनाया। भंडारे की खुशी में एमएसजी डेरा सच्चा सौदा व मानवता भलाई केन्द्र मौजपुर धाम, बुधरवाली में भारी तादाद में साध-संगत पहुँची और सतगुरु जी की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के पावन सान्निध्य में चलाए जा रहे 167 मानवता भलाई कार्यों के तहत सर्दी के मद्देनजर 106 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। सत्संग के बाद गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। 'धन - धन सतगुरु तेरा ही आसरा' पवित्र नारे के साथ 'एमएसजी सत्संग भंडारे' का आगाज हुआ। इसके पश्चात कविराज भाइयों ने विभिन्न भक्तिमय भजनों के माध्यम से सतगुरु जी की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर मुख्य पंडाल को खूबसूरत लड़ी, रंगोली और गुब्बारों से सजाया गया था। एमएसजी सत्संग भंडारे में पहुँची साध-संगत में अद्भुत उत्साह देखने को मिला। इस दौरान खुशियों

भरे भजनों पर बच्चे, युवा और बुजुर्गों सहित श्रद्धालु नाचते नज़र आए। नामचर्चा सत्संग भंडारे में बड़ी -बड़ी स्क्रीनों के माध्यम से पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां के पावन वचनों को साध-संगत ने एकाग्रचित होकर श्रवण किया। वहीं नशों के खिलाफ संदेश देने वाले पूज्य गुरु जी की ओर से गाए गए भजन 'आशीर्वाद माओ का' और 'मेरे देश की जवानी' पर पंडाल में उपस्थित संगत झूम उठी। भीषण सर्दी के बावजूद साध- संगत का जोश और उत्साह काबिले-तारीफ रहा। इस अवसर पर सड़कों पर बेसहारा घूमते मंदबुद्धियों की सार-संभाल का संदेश देती एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। नामचर्चा सत्संग भंडारे की समाप्ति पर सेवादारों ने आई हुई साध-संगत को कुछ ही मिनटों में लंगर भोजन खिला दिया। इस दौरान पंडाल, पानी, ट्रैफिक, लंगर-भोजन, चिकित्सा सहित विभिन्न समितियों के सेवादारों ने अपनी ड्यूटियां बखूबी निभाई और साध-संगत की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया।

मैडिटेशन से जुड़कर नशे का जड़ से करें खात्मा

पूज्य गुरू संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां ने युवाओं से नशा नहीं करने का आह्वान किया है। पूज्य गुरु जी ने फरमाया कि नशा आपको बर्बाद कर देगा। नशा छोड़ने के लिए आप मैडिटेशन से जुड़े जिससे नशों की लत जड़ से खत्म हो जाएगी। मैडिटेशन से हमने छह करोड़ से ज्यादा लोगों का नशा छुड़वा दिया है।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के तारासिंह स्मृति छात्रावास में क्षत्रिय विकास संस्थान में कानसिंह बड़गुजर की अध्यक्षता में रविवार को महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित की। सभी वक्ताओं ने महाराणा प्रताप को प्रातः स्मरणीय बताते हुए उनके त्याग, बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के लिए 36 कौम को साथ लेकर लड़ाई लड़ने वाले इस इतिहास में विरले पैदा हुए हैं, वो हम सब के लिए प्रेरणा पुंज रहेंगे। इस अवसर पर सुमेर सिंह सोनगरा ने पाथल और पिथल कविता का वाचन किया। इस अवसर पर क्षत्रिय विकास संस्थान तारानगर अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह राठौड़, सरपंच धर्मवीरसिंह राठौड़, सुल्तान सिंह भाटी, अध्यापक श्रवणदान चारण, बाबू जयप्रकाश चारण, दलीपसिंह राठौड़, ईश्वरसिंह राठौड़, राजेंद्र सिंह खींची, वार्डन बिशन सिंह राठौड़ आदि मौजूद रहे।

राजस्थान मरु उड़ान कार्यक्रम में स्वास्थ्य की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। महिला अधिकारिता विभाग के पन्नाधाय सुरक्षा व सम्मान केंद्र की टीम ने रविवार को जिला मुख्यालय स्थित केजीबीवी में बालिकाओं को बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत राजस्थान मरु उड़ान कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य की जानकारी दी। केंद्र प्रबंधक मंजू दहिया ने उपस्थित बालिकाओं को उत्तम स्वास्थ्य, आहार, पोषण, विभागीय योजनाओं, आरएस- सीआईटी, कालीबाई भील संबल योजना, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, वन स्टॉप सेंटर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान परामर्शदाता सुमन चौधरी, रोशनी, रमा सहित विद्यालय स्टाफ सहित उपस्थित रहा।

सूने मकान के ताले तोड़कर चोरी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय सूर्यभगवान मंदिर के पीछे स्थित सूने मकान में चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार महावीर प्रसाद तिवाड़ी परिवार सहित वेल्लूर रहते हैं। बजरंगलाल तिवाड़ी ने बताया कि हम लोग सामने के मकानों में ही रहते हैं और अभी दो दिन पहले ही मकान मैंने संभाला था, लेकिन गत रात्रि को चोरों ने ताले तोड़कर मकान में रखी आलमारियां आदि के ताले तोड़कर चोरी कर ली। वहीं चोरी में कितना नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी मकान मालिक के आने के बाद ही मिल पायेगी। सूचना पर कोतवाली थाने के एएसआई तेजाराम ने मय जाप्ते के मौका मुआयना कर घटना की जानकारी ली।

कोतवाली सीआई ने ली सीएलजी सदस्यों की बैठक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सीएलजी सदस्यों की बैठक का आयोजन कोतवाली थाना परिसर में किया गया। बैठक में थानाधिकारी बैगाराम मीणा ने कहा कि किसी प्रकार के अपराध की पूर्व सूचना पुलिस को देने में आम जनता को शंका नहीं होनी चाहिए। पुलिस हर प्रकार का सहयोग जनता को करेगी। इस अवसर पर नए थानाधिकारी मीणा ने सभी से परिचय लिया। मीणा ने कहा कि स्कूलों के इर्द-गिर्द घूमने वाले आवारा तत्वों पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी। बैठक में अरविंद सोनी, अनिल मिश्रा, मोहम्मद रफीक खिची, तरूण लोढ़ा, बजरंग सेन, बजरंग सोनी, खुशीराम जगवानी, महावीर पाटनी, कोमल गौड़, श्याम स्वर्णकार, रूपा प्रजापत आदि लोग मौजूद रहे।

सनातन संस्कृति के कलाकारों को साथ लेने का निर्णय

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए लोक गायकों, भजन गायकों, तबला, केसियों वादकों की बैठक का आयोजन मांडेता स्थित श्रीकाशी पुरीश्वर महादेव मंदिर में किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित भजन गायकों व कलाकारों को सम्बोधित करते हुए दिलीप, रामपाल, बबलू शर्मा, शंकर माहेश्वरी, पूजा डोटासरा, मोनिका शर्मा, योगेश चतुर्वेदी, रणजीत कथक आदि ने कहा कि कुछ विधर्मी लोग हमारी सनातन संस्कृति के जरिए नाम बदलकर हमारे समाज को दूषित करने का काम कर रहे हैं। इसलिए हमें इस प्रकार का निर्णय लेना चाहिए कि गाने बजाने वाली टीमों, कथावाचकों के साथ संगीत टीमों, भजन संध्या, जागरण आदि में केवल सनातन संस्कृतिक लोगों को ही कलाकार टीम में शामिल किया जाए। इसका उपस्थित सभी लोगों ने समर्थन किया। महंत स्वामी कानपुरी महाराज ने कहा कि जिस प्रकार से नाम बदलकर कुछ असामाजिक घटनाएं की गई हैं, वो हम सबके लिए सबक हैं। इसलिए प्रत्येक कलाकार को सनातनी कलाकारों का साथ देते हुए उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। इसी प्रकार सनातमन संस्कृति के लोगों को ही कलाकार टीम में शामिल करने का निर्णय बैठक में लिया गया। इस अवसर पर रणजीत कथक, योगश कथक, हरिओम, दिलीप, बलि मारवाड़ी, पूजा डोटासरा, मोनिका शर्मा फतेहपुर, देवेंद्र, दौलत कथक, आकाश, महेश, लालचंद, सुशील, युवराज, प्रभात, भवानी, सुभाष, रमेश, हैप्पी राणा, बबलू शर्मा, ओमप्रकाश, रामावतार, सुरेंद्र, रामपाल चौधरी, सुंदर, सीताराम, लक्की लाडनूं, मयंक, मनोहर भोजासर, नरेंद्र, योगेश चतुर्वेदी, शंकर माहेश्वरी, नोरतन पारीक सहित अनेक कलाकार मौजूद रहे।

जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं: महनसरिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। नई सड़क पर नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने शनिवार शाम एक समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की प्रेरणा से जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि पायलट का मानना है कि इस कड़ाके की सर्दी में जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य का कार्य नहीं है। महनसरिया ने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में हर समय जरूरतमंदों व गायों की सेवा करनी चाहिए। इसी क्रम में जरूरतमंदों को 101 कंबल वितरित की गई। इस अवसर पर पूर्व पार्षद सत्यनारायण बाकोलिया, कायमखानी समाज के जिलाध्यक्ष मुंशी खान, एडवोकेट मनोज महनसरिया, मुकेश महनसरिया, मोहन टेलर, पूर्व पार्षद डूंगरमल सैनी बाबा, राधे मोहन शर्मा, परमेश्वर रेगर, शिवम सोनी, आबिद मलनास, लक्ष्मण मेहरा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

शेखावाटी में पहुंची ढ़ांढ़ण शक्ति दादी की दिव्य ज्योति यात्रा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री ढ़ांढ़ण शक्ति दादी की दिव्य ज्योति यात्रा 40 दिन के अखंड भारत भ्रमण के पश्चात मरुधरा के शेखावाटी अंचल में प्रवेश किया। यात्रा 11 दिसंबर को जगत जननी के दिव्यज्योति स्वरूप के साथ दादीजी के निज धाम से प्रस्थान किया था। रविवार को सुबह गुलाबी नगरी जयपुर से ब्रह्म मुहूर्त की पूजा के पश्चात यात्रा ने शेखावाटी अंचल में प्रवेश किया। रास्ते में भव्य स्वागत करते हुए लक्ष्मणगढ़ के भक्तों की ओर से भव्य मंगल यात्रा निकालकर भव्य भजन-कीर्तन व अराधना की गई। भजन संध्या में कोलकाता के मोनू मोर व मूलचंद बजाज ने भजनों से दादी को रिझाया व विदर्भ कुमारी नेतल शर्मा ने अपनी मधुर वाणी से भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया। अखिल भारतीय मां टीडा गैला बसंतोत्सव परिवार के प्रवक्ता ने बताया कि यह दिव्य ज्योति यात्रा हिंदुस्तान के विभिन्न 50 शहरों में भ्रमण करते हुए पधारी है। प्रवक्ता के अनुसार दादी लक्ष्मणगढ़, चूरू, रतनगढ़ व फतेहपुर में भव्य कार्यक्रमों के पश्चात 23 जनवरी को फतेहपुर, रोलसाहबसर होते हुए भव्य शोभा यात्रा में परिवर्तित हो जाएगी। 24 जनवरी को एक शाम शिव शक्ति के नाम से उज्जैन के किशन भक्त के भजन होंगे। 25 जनवरी को कविता पौडवाल और अनूप जलोटा की भजन प्रस्तुति होगी। 26 जनवरी को भव्य कार्यक्रम में लखा सिंह, रूपम शुभम जैसे अनेक कलाकार अपनी प्रस्तुति देगें।

28 से होगा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। श्री श्री यादे माता समिति की ओर से 28 जनवरी से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मूलचंद रेवाड़िया ने बताया कि 28 जनवरी को चित्रकला प्रतियोगिता, 29 जनवरी को सुलेख व मेहन्दी प्रतियोगिता, 30 जनवरी को वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 31 जनवरी को श्री श्री यादे माता का हवन, पूजन कार्यक्रम होगा। प्रजापति भवन पीसीबी स्कूल के सामने आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

गीता के 12वें अध्याय में बच्चों ने किया उच्चारण का अभ्यास

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भास्कर भवन में सर्राफ फाउंडेशन के आर्थिक सौजन्य से प्रत्येक रविवार को चल रही गीता क्लासेज में सृष्टि और गौरव शर्मा ने पांच श्लोकी गीता पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्याम सुंदर भोजक, संजय सिंघानिया व प्रमोद गौड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनार्दन आचार्य ने बच्चों को गीता के 12वें अध्याय के पाठ का उच्चारण व शुद्धिकरण करवाया। इस दौरान बच्चों ने जरूरी नौ नियम के अतिरिक्त गजल गीत का भी अभ्यास किया। कार्यक्रम में बच्चों को सरल गीता भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मोहित सिंघानिया, माधुरी, दिव्या, महेश शर्मा, लक्ष्मी ने सहयोगी भूमिका निभाई।

चूरू में दक्षिण मुखी बालाजी महाराज की मूर्ति स्थापित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। कस्बे के वार्ड नं 59 में रविवार को श्री दक्षिण मुखी बालाजी महाराज के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना की गई। गौरतलब है कि गुरुजी जेठाराम महर्षि की प्रेरणा से मंदिर की स्थापना की गई। भामाशाह सत्यभामा महर्षि, सरोज महर्षि, नंदा देवी व निर्मला देवी के आर्थिक सौजन्य नवनिर्मित मंदिर की मूर्ति स्थापना की गई। इससे पूर्व शनिवार शाम को हवन और बालाजी सुंदरकांड समिति की ओर से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मन्दिर के पुजारी महेन्द्र शर्मा ने बताया कि रविवार को मूर्ति स्थापना से पूर्व शोभायात्रा के साथ भगवान को नगर भ्रमण करवाया गया। शोभायात्रा मन्दिर से रवाना होकर सवाई सागर बालाजी धाम होते हुए मुख्य मार्गों से मंदिर स्थल पर पहुंची। इस दौरान पंडित नरेंद्र शास्त्री, मोहित शास्त्री व गोपी राम शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत् पूजा-अर्चना कर मूर्ति स्थापना करवाई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान नरेंद्र कुमार महर्षि, अजय कुमार महर्षि, मनोज कुमार, मुकेश कुमार व राजेश कुमार शर्मा ने सपत्निक पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कंचन, माया, सुमन, पूजा, कुसुम, अजय महर्षि, महेंद्र सारस्वत, उषा सारस्वत, इंदिरा सैनी, कैलाशचंद्र नवहाल, राजकुमार, योगेश, दिवाकर, धीरज, श्यामलाल, चिराग, मयंक, नवजीत शर्मा, नवरत्न सहित बड़ी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति से कॉरपोरेट जगत के लिए सस्ते श्रमिक तैयार होंगे: यादव

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का दो दिवसीय राज्य स्तरीय शैक्षिक महाकुंभ शुक्रवार को नई धान मंडी श्री गंगानगर में ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। बतौर मुख्य वक्ता भारत जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. योगेंद्र यादव ने कहा कि गरीब ग्रामीण व शहरी मध्यवर्गीय परिवारों को निजी शिक्षा के अमानवीय आर्थिक शोषण की गर्त में धकेलना के लिए ही सरकारी स्कूलों के ढांचे पर सरकारी नीतियों का ही सुनियोजित प्रहार हो रहा है इसका एकमात्र लक्ष्य जनसाधारण को सार्वजनिक शिक्षा से महरूम रखकर पूंजीवादी शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस कड़ी में स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव सी एन भारती ने कहा कि राष्ट्र निर्माता शिक्षक समाज और देश के आधारभूत समानता के गरिमा पूर्ण वैचारिक उद्देश्य हमें पढ़ाने दो की मुहिम के वैज्ञानिक लक्ष्य पर अडिग है लेकिन सरकार की ओर से न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020 में शिक्षा के निजीकरण, केंद्रीकरण, संप्रदायिकरण के साथ व्यवसायिकरण की पक्षधर है और यह व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने का ढ़कोसला साबित होगा। प्रदेश अध्यक्ष महावीर सिहाग ने राज्य सेवाओं में संविदा पर भर्तियों और वर्ष में महज 10 माह के वेतन देने की खतरनाक और शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध सावुचेत किया। दूसरे सत्र में शिक्षकों की समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा करने के साथ-साथ संभावित समाधानों पर विचार साझा किए गए। प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर लाल कस्वां ने बताया कि शैक्षिक सम्मेलन में पेश किये गये प्रस्तावों में बिना वर्गीय भेदभाव के शिक्षक तबादले, गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने, कंप्यूटर अनुदेशक और पंचायत शिक्षकों को अध्यापक पद नाम से संबोधित करने, विभिन्न वेतन विसंगतियों को दूर करने, विद्यालय में शारीरिक शिक्षक तथा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति, खेल मैदान का विकास व पर्याप्त बजट देने के साथ-साथ राज्य स्तरीय एकल वरिष्ठता सूची बनाने, व्याख्याता की पदोन्नति के लिए नई कट ऑफ डेट तय करने सहित अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री उपेंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर चूरू जिले से सभा अध्यक्ष याकूब खान, प्रदेश संयुक्त मंत्री शुभकरण नैण, जिलाध्यक्ष विजय पोटलिया, जिला मंत्री वेदपाल मलिक, रतन सिंह पूनिया, विनोद कस्वां, ओम पूनिया व रतिराम सहारण सहित अनेक शिक्षकों ने भाग लिया।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
20 जनवरी, 2025

उप कारागृह सांभरलेक में श्री राम मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निसं.)। उप कारागृह सांभरलेक में रविवार को श्री राम मंदिर में विधि विधान के साथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई। इससे पूर्व शनिवार सुबह सवा नौ बजे से रामायण पाठ शुरू हुए जो रविवार सुबह सवा नौ बजे तक सम्पन्न हुए। इसके बाद सब जेलर भरतलाल मीणा सपत्नीक हवन में बैठे और पूर्णाहुति दी। प्रतिष्ठा से पूर्व श्री राम जी की मूर्ति को गाजे बाजे के साथ जेल परिसर में भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम में दादू पीठाधीश्वर ओम प्रकाश दास महाराज, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, दशरथ सिंह गुर्जर, पूर्व जेलर प्रहलाद गंगवाल, फुलेरा थाना प्रभारी श्रवण लाल मील, सहायक उप निरीक्षक कमलवीर मीणा, बृजमोहन मीणा, कैलाश रगल, हरी राम गुर्जर, जेपी ककरालिया, व्यापार महासंघ अध्यक्ष फुलेरा मनोज आहूजा, राजकुमार चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोगों ने दोपहर बाद प्रसादी ग्रहण की।

तकनीक आधारित कृषि को मिले बढ़ावा: सुराणा

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले के बीदासर में नवाचारी खेती का किया अवलोकन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिले के बीदासर उपखंड मुख्यालय के निकटवर्ती नवाचारी खेती करने वाले कृषक के खेत का अवलोकन किया और जानकारी ली। उन्होंने किसानों से उनके अनुभव पूछे। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि तकनीक आधारित कृषि को बढ़ावा मिले। किसान उद्यानिकी व बागवानी की ओर अग्रसर हो। कृषि व उद्यानिकी विभाग की योजनाओं का भरपूर लाभ किसानों को मिले। इस दिशा में विभागीय अधिकारी प्रयास करें कि किसानों को योजनाओं के बारे में अधिकतम जानकारी व समुचित लाभ दिया जाए। उन्होंने किसानों की ओर से किए जा रहे कृषि कार्यों, लॉ टनल मल्च, मिनी ड्रिप, स्प्रिंकलर सिंचाई एवं ऑफ सीजन में सब्जियों की खेती का अवलोकन किया और इस संबंध में जानकारी ली। कृषक भूरनाथ सिद्ध ने उनकी ओर से की जा रही कृषि गतिविधियों व खेती के दौरान काम में ली जा रही तकनीक की जानकारी दी। इस मौके पर बीदासर के ही पारेवड़ा सहित अन्य गांवों से नवाचारी खेती कर रहे कृषकों ने अपने खेतों में की जा रही कृषि गतिविधियों से भी जिला कलक्टर को अवगत करवाया। किसानों ने बताया कि वे कृषि गतिविधियों में नवाचार व वैज्ञानिक तकनीक को अपनाकर अच्छी आय कमा रहे हैं। इस दौरान उद्यान उपनिदेशक डॉ धर्मवीर डूडी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान कृषि अधिकारी रामावतार शर्मा, सहायक कृषि अधिकारी महेंद्र, कृषि पर्यवेक्षक रतन लाल यादव सहित नवाचारी खेती की ओर अग्रसर किसान मौजूद रहे।

दामाद ने चाकू मारकर की मामा ससुर की हत्या, बचाव में सास भी घायल

जयपुर टाइम्स

(निस)पाटन में एक पारिवारिक विवाद ने खूनी रंग ले लिया। रविवार तड़के 4 बजे पत्नी को लेने पहुंचे अजमेर के किशनगढ़ निवासी शहजाद (50) ने मामा ससुर कल्लू खान (62) की चाकू मारकर हत्या कर दी। बचाव का प्रयास करने पर मामा ससुर की पत्नी शहजहां भी घायल हो गईं। पुलिस ने आरोपी को राउंडअप कर लिया है। डीएसपी आशीष भार्गव ने बताया कि घटना कच्ची बस्ती में उस समय हुई जब शहजाद गुस्से में घर पहुंचा और पत्नी शबीना को लेकर विवाद करने लगा। विवाद के दौरान शहजाद ने कल्लू खान पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। बीच-बचाव में आईं कल्लू की पत्नी शहजहां भी चाकू के वार से घायल हो गईं। तीन महीने से पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के कारण शबीना अपने मामा कल्लू खान के घर रह रही थी। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने कल्लू खान को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। घटना के आरोपी को राउंडअप कर लिया गया है। हत्या का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई है। मामा ससुर की हत्या के मामले मे पति-पत्नी के बीच विवाद को अहम कारण माना जा रहा है। शहजाद ओर उसकी पत्नी शबीना के बीच पिछले कुछ महीनों से अनबन चल रही थी। इसी के चलते शबीना अपने मामा के घर तीन महीने से रह रही थी। शहजाद पत्नी को लेने के बहाने आया था। दोनों की शादी को काफी समय बीत चुका है। दोनों के तीन बच्चे बताए जाते है। शहजाद का मूल रूप से ससुराल बारां जिले में हैं, लेकिन उसके सास ससुर की मौत हो चुकी है। इसी के चलते उसकी पत्नी अपने मामा कल्लू के यहां रह रही थी। कल्लू ओर उसकी पत्नी शहजहां केशोरायपाटन की कच्ची बस्ती मे अकेले रहते है।

जल संरक्षण को दैनिक आदत में शुमार करने का आह्वान

जिला कलक्टर ने किया घड़सीसर, कंवलासर व धीरासर में जोहड़ और स्कूल का निरीक्षण

जल संरचनाओं की ली जानकारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिले के सरदारशहर ब्लॉक के घड़सीसर जोहड़, मलसीसर के गैबानिया जोहड़ा, धीरासर में कुंड और राउमावि, कराला मॉडल तालाब कंवलासर का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखी और कंवलासर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में खेलकूद प्रतियोगिता में शिरकत की।

सुराणा ने कहा कि भौगोलिक परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए जोहड़ों और जल संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में बेहतरीन प्रयास हैं। हम सभी भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए जल संरक्षण को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं। जल संरचनाओं के विकास पर ध्यान दें और ऐतिहासिक विरासतों का भी संरक्षण करें। हमारी ऐतिहासिक जल संरचनाओं का स्थापत्य भी मनमोहक है। इन संरचनाओं का संवर्धन और संरक्षण कर भावी पीढ़ी को सुरक्षित जीवन दें, यह हमारा ध्येय हो। उन्होंने पानी से लबालब भरे जोहड़ को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह जोहड़ पशु - पक्षियों के संरक्षण का भी सशक्त माध्यम हैं। महानरेगा जैसी ग्रामीण विकास की योजनाओं में बनीं जल संरचनाएं आज वरदान साबित हो रही हैं। धीरासर स्कूल का निरीक्षण कर उन्होंने कहा कि स्कूल में ग्राम पंचायत, जिला परिषद सहित जनप्रतिनिधि कोटे से अच्छा भवन बनाया गया है। संसाधनों का विकास ही सुरक्षित भविष्य की नींव है। घड़सीसर सरपंच मनोज कुमार तथा कंवलासर में गौरीशंकर ने जोहड़ व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान अपूर्वा पाठक, नायब तहसीलदार प्रहलाद पारीक, विकास अधिकारी महेंद्र सोलंकी सहित अन्य उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से आह्वान स्थानीय खेलों को सहेजें

इस अवसर पर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कंवलासर ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आयोजित खेल प्रतियोगिता में शिरकत करते हुए कहा कि हम स्थानीय खेलों को सहेजें और भावी पीढ़ी को एक समृद्ध विरासत दें। हम अपनी दिनचर्या में खेलों को शामिल करें और खेलकूद के विकास पर ध्यान दें। ग्राम पंचायत में विशेष प्रयासों से खेल मैदान को बहुत ही खूबसूरत अंदाज में बनाया गया है। यह संसाधनों का विकास युवा पीढ़ी के उन्नत भविष्य के लिए बहुत बड़ा कदम है। युवा पीढ़ी इन संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए अपने भविष्य निर्माण पर फोकस करें। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि अपूर्वा पाठक ने कहा कि खेलकूद हमारे जीवन का अभिनंदन है। चूरू जिला खेलकूद की दृष्टि से सिरमौर स्थान रखता है। यहां की महिलाएं भी खेलकूद में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि बालिका बालिकाएं खेलकूद पर फोकस करें तथा संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ अपने सपनों को ऊंची उड़ान दें। कंवलासर सरपंच विमला देवी ने अतिथियों का स्वागत किया और खेलकूद प्रतियोगिता, ग्राम पंचायत के कार्यों व व्यवस्थाओं सहित गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान बीडीओ महेंद्र सोलंकी, नायब तहसीलदार प्रहलाद राय पारीक, सीबीईओ अशोक पारीक, गौरीशंकर, घड़सीसर सरपंच मनोज कुमार, जेईएन महेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थितरहे।

विधायक ने नवनिर्मित सुविधाओं का किया लोकार्पण

कालका माता मंदिर में चबूतरा और टिन शेड बनाया, जरूरतमंदों को बांटे कंबल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव रूपलीसर में एक सार्थक पहल के तहत विधायक पंडित अनिल भंवरलाल शर्मा ने कालका माता मंदिर में रविवार को नवनिर्मित सुविधाओं का लोकार्पण किया। विधायक निधि से बनाए गए चबूतरे और टिन शेड से श्रद्धालुओं को गर्मी और बारिश से राहत मिलेगी। कार्यक्रम में एक सामाजिक पहल भी देखने को मिली हैं। जहां सांवरमल शर्मा ने अपने माता-पिता की स्मृति में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए। विधायक शर्मा ने इस अवसर पर अपने पिता के आदर्शों का स्मरण करते हुए तहसील क्षेत्र के निरंतर विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि जनता से मिली ताकत का उपयोग वह हमेशा जनकल्याण के लिए करेंगे। विधायक पंडित अनिल भंवरलाल शर्मा ने कालका माता मंदिर में नवनिर्मित सुविधाओं का लोकार्पण किया। विधायक ने पंडित रुपाराम शर्मा परिवार द्वारा सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों को कंबल वितरण के पहल की सराहना की और कहा कि धन की सार्थकता दान में ही है। समारोह में महावीर माली, दुर्गाराम पारीक, पूर्व प्रधान रामकुमार मेघवाल, जितेंद्र राजवी, सीताराम शर्मा, सांवरमल शर्मा, मदनलाल शर्मा, मांगीलाल शर्मा, भरत गौड़, चेतन गौड़, गोविंद प्रसाद गौड़, सुभाष गौड़, नरेश गौड़, रवि दत्त गौड़, अर्जुन दान चारण, मंगतूराम मेघवाल, मदन मेघवाल, सुमेर सिंह, पूर्व सरपंच तुगनाराम, सरपंच श्यामलाल ऐचरा, श्यामलाल देग, गोपाल राम बेनीवाल, जोराराम ढाका, तुलसाराम ढाका, दुर्गा प्रसाद पारीक, बजरंग लाल नाई, बालू राम ढाका, लक्ष्मण सिंह बडजाती, सीताराम झाड़ोलिया, भगवानाराम झाड़ोलिया, देवाराम झाड़ोलिया, तिलोकाराम मेघवाल, केसराराम मेघवाल, मालाराम सुथार, भंवरनाथ जोगी, मदनलाल सुथार, रामनाथ जोगी, मदन ढाका, भगवान सिंह, रघुवीर सिंह, भरत सिंह, पवन सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने किया कंवलासर में खेल महोत्सव का भव्य आगाज

क्रिकेट, कबड्डी समेत कई खेलों में 51 हजार तक के इनाम

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव कंवलासर में रविवार को भव्य खेल महोत्सव का शुभारंभ किया गया। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने स्थानीय खेलों को संरक्षित करने और भावी पीढ़ी को समृद्ध विरासत देने का आह्वान किया। महा प्रतियोगिता 2025 के तहत क्रिकेट, दौड़, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। क्रिकेट में 10-10 ओवर के नॉकआउट मैच होंगे। जिनमें विजेता को 51 हजार और उपविजेता को 21 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। एथलेटिक्स में महिलाओं के लिए 400 मीटर और पुरुषों के लिए 800 मीटर की दौड़ का आयोजन किया गया है। जिसमें विजेताओं को 5100 रुपए का इनाम मिलेगा। कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता को 11 हजार और उपविजेता को 5100 रुपए की राशि दी जाएगी। खो-खो में लड़के-लड़कियों दोनों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। जिनमें विजेता टीम को 5100 रुपए का पुरस्कार मिलेगा। विशिष्ट अतिथि अपूर्वा पाठक ने चूरू जिले को खेलकूद में सिरमौर बताते हुए कहा कि यहां की महिलाएं भी खेलों में अग्रणी हैं। कंवलासर की सरपंच विमला देवी ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की जानकारी दी। पूर्व सरपंच गौरीशंकर शर्मा के अनुसार यह महोत्सव खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर सात या आठ दिन तक चलेगा। कार्यक्रम में बीडीओ महेंद्र सोलंकी, नायब तहसीलदार प्रहलाद राय पारीक, सीबीईओ अशोक पारीक सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बर्ड फेस्टिवल में स्थानीय लोगों की हो अधिकतम भागीदारी: सुराणा

जिला कलक्टर ने ताल छापर अभयारण्य में बर्ड फेस्टिवल को लेकर बैठक में अधिकारियों को सौंपे दायित्व

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने रविवार को जिले के ताल छापर अभयारण्य में बर्ड फेस्टिवल - 2025 के आयोजन को लेकर अधिकारियों की बैठक ली और अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुए समुचित दिशा - निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बर्ड फेस्टिवल में स्थानीय लोगों की अधिकतम भागीदारी हो। बर्ड फेस्टिवल संपूर्ण जिले के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है, इसलिए आयोजन के पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए। बर्ड फेस्टिवल के आयोजन में पूर्व अनुभव का लाभ उठाते हुए समुचित प्रबंधन व व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि बर्ड फेस्टिवल के दौरान स्कूली बच्चों को अधिकाधिक शामिल किया जाए व विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाए। फेस्टिवल में पर्यटन से जुड़े हुए लोगों सहित वाइल्डलाइफ गाइड्स भी उपस्थित रहें। बर्ड फेस्टिवल में आने वाले लोगों को ताल छापर की जैव विविधता, विशेषताओं, जलवायु सहित जरूरी जानकारी दी जाए। इसी के साथ स्टॉल आदि भी लगाई जाए व रोमांच से भरपूर बर्ड फेस्टिवल आयोजित किया जाए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दायित्वों सौंपे और समुचित दिशा - निर्देश दिए। इस मौके पर सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, एसीएफ महेंद्र, सेवानिवृत्त एसीएफ सूरज सिंह पूनिया, अधिशाषी अधिकारी भवानी शंकर, बीडीओ रवि कुमार, नारायण बालाण सहित अन्य मौजूद रहे।

धौलपुर में बंदरों और आवारा जानवरों का आंतक, हमले में रोज कई लोग हो रहे घायल, प्रशासन नहीं कर रहा कार्रवाई

धौलपुर जयपुर टाइम्स

(निस) आवारा जानवरों और बंदरों का आतंक गंभीर समस्या बन गया है। प्रतिदिन आवारा जानवरों और बंदरों की वजह से लोगों की घायल होने के मामले सामने आ रहे हैं। जिले में एक और जहां बंदरों की वजह से लोग छत से गिरकर घायल हो रहे हैं, तो वहीं आवारा जानवरों के काटने से कई बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 2 सप्ताह पहले राजाखेड़ा में बंदरों के हमले में एक युवती घायल हो गई थी। जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। धौलपुर शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजाना कई लोग आवारा जानवरों और बंदरों के हमलों का शिकार हो रहे हैं। सड़कों और मोहल्लों में झुंड बनाकर घूम रहे आवारा पशुओं की वजह से हादसों का खतरा भी बढ़ गया है।

लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर कठिन परिश्रम करें, सफलता मिलेगी: राठौड़

अग्रसेन नगर विकास समिति की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अग्रसेन नगर स्थित सामुदायिक भवन में अग्रसेन नगर विकास समिति की ओर से रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौड़ रहे। वहीं कार्यक्रम के विषिष्ट अतिथि विधायक हरलाल सहारण, पूर्व सभापति विजय कुमार शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, वासुदेव चावला व राकेश जांगिड़ रहें। समिति अध्यक्ष मदन लाल राजपुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम में भामाशाह नरेन्द्र कुमार लाटा, ठेकेदार महेंद्र दाधीच और ओमप्रकाश तंवर व राजेंद्र मुसाफिर को साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समिति के पूर्व अध्यक्ष आर.एम. भटनागर, हरि शंकर दाधीच, हनुमान सिंह राठौड़, शंकर लाल स्वामी, बनवारी लाल शर्मा व निःस्वार्थ कार्य करने पर विमल भटनागर, हुकुमचंद गौड़, कप्तान के.के. शर्मा, रामस्वरूप शर्मा व सज्जन लाटा को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सरकारी सेवा में चयनित, खेल व शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को अतिथियों ने प्रशस्ति-पत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि एक लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर कठिन परिश्रम करने से सफलता आपके कदम चूमेगी। ऐसे कार्यक्रमों से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता हैं। वहीं आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। विधायक हरलाल सहारण ने आयोजन समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान जैन ष्वेतांबर विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। संदीप शर्मा, पुनीत लाटा, प्रमोद गौड़ व ओम प्रकाश इंदौरिया ने कार्यक्रम में सहयोगी भूमिका निभाई। इस अवसर पर विनोद जांगिड़, सीताराम खरोड़, परमेश्वर शर्मा, जिलेसिंह राव, बृजेंद्र दाधीच, सुभाष शर्मा, किशन सिंह राठौड़, सूबे सिंह चौधरी, रविकांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में अग्रसेन विकास समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भूमिका लाटा व उर्मिला चाहर ने किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।